2019 से 2023 के दौरान संसद में राष्ट्रपति के अभिभाषण का विश्लेषण

संविधान के अनुसार राष्ट्रपति को प्रत्येक कैलेंडर वर्ष की पहली बैठक में संसद को संबोधित करना होता है। इस अभिभाषण में राष्ट्रपति द्वारा सरकार की प्रमुख नीतिगत प्राथमिकताओं को रेखांकित किया जाता है। इस नोट में 2019 से 2023 के दौरान राष्ट्रपति के अभिभाषण की प्रमुख घोषणाओं और इनसे संबंधित पहल की वर्तमान स्थिति को दर्शाया गया है।[1] आंकड़ों से संबंधित स्रोत एंडनोट्स में मौजूद हैं।

अर्थव्यवस्था एवं वित्त

***आर्थिक विकास**: भारत दुनिया की 5वीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है (2023)।*

- भारत मौजूदा कीमतों पर जीडीपी के मामले में 2021 में दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया। 2022 में इसकी जीडीपी 3.4 ट्रिलियन USD (198 लाख करोड़ रुपए) दर्ज की गई।[2]

तालिका 1: 2022 में जीडीपी और प्रति व्यक्ति जीडीपी

	जीडीपी (USD ट्रिलियन में)		प्रति व्यक्ति जीडीपी (USD में)	
देश	वैल्यू	रैंक	वैल्यू	रैंक
यूएसए	25.4	1	76,330	9
चीन	18	2	12,720	71
जापान	4.2	3	33,823	33
जर्मनी	4	4	48,718	22
भारत	3.4	5	2,411	141

नोट: रैंकिंग 190 देशों में से है।
स्रोत: विश्व बैंक; पीआरएस।

रेखाचित्र 1: स्थिर कीमतों पर सकल घरेलू उत्पाद की वृद्धि (% में)

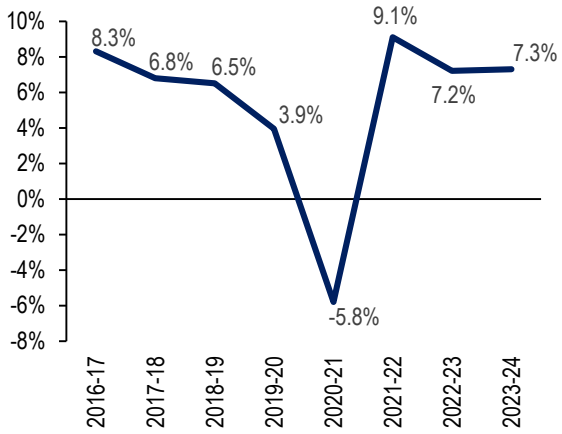

स्रोत: सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय; पीआरएस।

- 2016-17 और 2020-21 (कोविड वर्ष) के बीच जीडीपी की वृद्धि दर में गिरावट दर्ज की गई। 2022-23 और 2023-24, दोनों में जीडीपी 7% से अधिक की दर से बढ़ने का अनुमान है।

***प्रत्यक्ष विदेशी निवेश**: एफडीआई प्रवाह बढ़ रहा है (2019)।*

- 2014-15 और 2022-23 के बीच, सकल विदेशी प्रत्यक्ष निवेश (एफडीआई) प्रवाह 5.9% की चक्रवृद्धि वार्षिक दर से बढ़ा।[3] 2022-23 में एफडीआई प्रवाह पिछले वर्ष की तुलना में 16% कम था।
- 2023-24 के पहले छह महीनों (अप्रैल-सितंबर 2023) के लिए कुल एफडीआई प्रवाह 33 बिलियन USD था, जो पिछले वर्ष की इसी अवधि के दौरान एफडीआई प्रवाह से 18% कम है।[4,5]

रेखाचित्र 2: भारत में एफडीआई प्रवाह (बिलियन USD में)

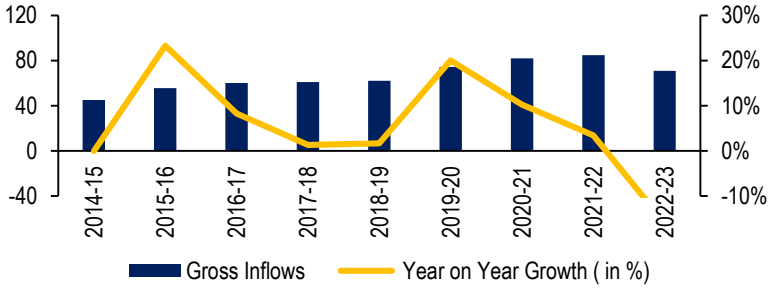

स्रोत: त्रैमासिक फैक्ट-शीट, प्रत्यक्ष विदेशी निवेश पर फैक्टशीट, उद्योग और व्यापार संवर्धन विभाग; पीआरएस।

अर्पिता मलिक
arpita@prsindia.org
ऋत्विक उपाध्याय
rutvik@prsindia.org

30 जनवरी, 2024

कर सुधार: *जीएसटी के कार्यान्वयन के साथ 'एक देश, एक कर, एक बाजार' की अवधारणा वास्तविकता बन गई है। जीएसटी को और सरल बनाने के कदम जारी रहेंगे (2019)।*

- अप्रैल 2017 में संसद ने वस्तु एवं सेवा कर बिल, 2017 पारित किया।[6] यह पूरे देश में समान वस्तुओं पर एक समान अप्रत्यक्ष कर लगाता है। इसमें बिक्री कर और वैट जैसे कर शामिल हो गए।
- जीएसटी के तहत सम्मिलित करों के लिए राजस्व प्राप्ति जीएसटी-पूर्व अवधि की तुलना में कम रही है (रेखाचित्र 3 देखें)। 2022 तक राज्यों को जीएसटी के तहत शामिल करों में 14% की वार्षिक वृद्धि दर का आश्वासन दिया गया था।[7] राजस्व की कमी की भरपाई के माध्यम से इसे सुनिश्चित किया गया था।
- जून 2022 में क्षतिपूर्ति की अवधि समाप्त होने के बाद पंजाब, पुद्दूचेरी और गोवा जैसे राज्यों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है जो क्षतिपूर्ति पर अधिक निर्भर हैं।

रेखाचित्र 3: जीडीपी में जीएसटी राजस्व का प्रतिशत

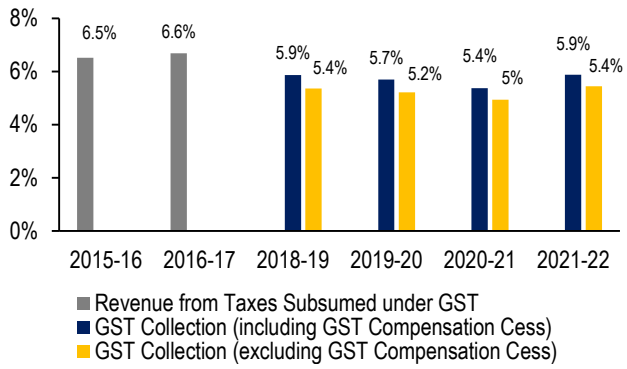

नोट: 2016-17 के टैक्स-टू-जीडीपी में आंकड़ों की अनुपलब्धता के कारण अरुणाचल प्रदेश, गुजरात और हरियाणा शामिल नहीं हैं। जीएसटी राजस्व में केंद्रीय और राज्य जीएसटी की संयुक्त आय शामिल है। चार्ट में 2017-18 को शामिल नहीं किया गया है क्योंकि जीएसटी को उस वर्ष के मध्य से लागू किया गया था।
स्रोत: जीएसटी नेटवर्क; केंद्रीय बजट दस्तावेज़; एमओएसपीआई; पीआरएस।

- सितंबर 2021 में जीएसटी परिषद ने एक समिति का गठन किया जिसे मौजूदा जीएसटी संरचना की समीक्षा करना और इस संरचना को रैशनलाइज करने के सुझाव देना था।[8] समिति ने जुलाई 2022 में करों को रैशनलाइज करने पर अपनी अंतरिम रिपोर्ट सौंपी।[9] नवंबर 2023 में इसका पुनर्गठन किया गया।[10]

विदेशी मुद्रा भंडार: *विदेशी मुद्रा भंडार बढ़ रहा है (2019)।*

- **विदेशी मुद्रा**: दिसंबर 2023 तक विदेशी मुद्रा भंडार 623 बिलियन USD था, जो दिसंबर 2022 में 563 बिलियन USD के भंडार से 11% अधिक है।[11] 2015-16 और 2022-23 के बीच विदेशी मुद्रा भंडार 1.7 गुना बढ़ गया (7% की वार्षिक वृद्धि) (रेखाचित्र 4 देखें)।
- **विदेश व्यापार**: 2014-15 और 2022-23 के बीच भारत का वस्तु आयात निर्यात की तुलना में तेजी से बढ़ा (रेखाचित्र 5 देखें)।[12] इसके परिणामस्वरूप इस अवधि में व्यापार घाटा बढ़ा है। 2022-23 में भारत का वस्तु व्यापार घाटा 263 बिलियन USD दर्ज किया गया जो पिछले वर्ष की तुलना में 38% अधिक है।[13]
- 2023-24 (अप्रैल-दिसंबर) के पहले नौ महीनों के दौरान भारत में 188 बिलियन USD का वस्तु व्यापार घाटा दर्ज किया गया है जो पिछले वर्ष की समान अवधि (212 बिलियन USD) की तुलना में 13% कम है।
- भारत में सेवा व्यापार में लगातार अधिशेष दर्ज किया गया है। अप्रैल-दिसंबर 2023 के बीच सेवाओं में भारत का व्यापार अधिशेष 119 बिलियन USD था, जो पिछले वर्ष की समान अवधि की तुलना में 14% अधिक है।

रेखाचित्र 4: विदेशी मुद्रा भंडार (बिलियन USD में)

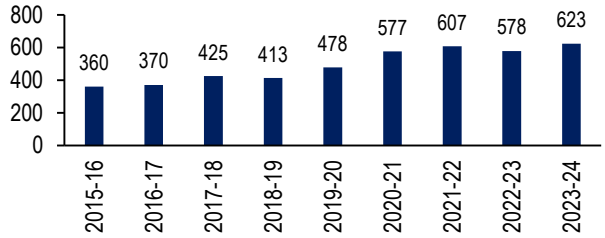

नोट: 2023-24 के आंकड़े दिसंबर 2023 तक के हैं, और अन्य सभी वर्षों के आंकड़े उस वित्तीय वर्ष के अंतिम दिन तक के हैं।

स्रोत: विदेशी मुद्रा भंडार, भारतीय अर्थव्यवस्था पर डेटाबेस, आरबीआई; पीआरएस।

.

रेखाचित्र 5: वार्षिक वस्तु व्यापार (बिलियन USD में)

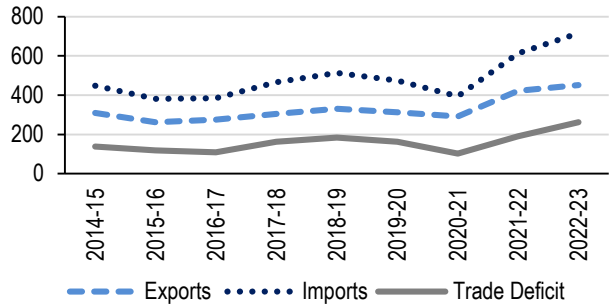

स्रोत: भारत का विदेशी व्यापार- US डॉलर, भारतीय अर्थव्यवस्था पर डेटाबेस, आरबीआई; पीआरएस।

***प्रत्यक्ष लाभ अंतरण**: प्रत्यक्ष लाभ अंतरण के माध्यम से 300 से अधिक योजनाओं के तहत 27 लाख करोड़ रुपए से अधिक का मौद्रिक लाभ लाभार्थियों तक पहुंचा है। (2023)*

- प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (डीबीटी) कार्यक्रम जनवरी 2013 में शुरू किया गया था।[14] जनवरी 2024 तक 34 लाख करोड़ रुपए के कुल लाभ डीबीटी के माध्यम से हस्तांतरित किए गए हैं।[15]
- जनवरी 2024 तक 314 योजनाएं डीबीटी के माध्यम से वितरित की जा रही हैं। इनमें मनरेगा, प्रधानमंत्री आवास योजना और प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना शामिल हैं।[15] 2023-24 में (जनवरी 2024 तक) 4.2 लाख करोड़ रुपए डीबीटी के माध्यम से वितरित किए गए हैं। वित्त मंत्रालय का अनुमान है कि मार्च 2022 तक डीबीटी को अपनाने से 2.7 लाख करोड़ रुपए की बचत हुई है।[16]

तालिका 2: डीबीटी के जरिए संवितरित राशि

	2016-17	2017-18	2018-19	2019-20	2020-21	2021-22	2022-23	2023-24*
लेनदेन की संख्या (करोड़ में)	36	124	129	145	180	179	166	145
संवितरित राशि (करोड़ रुपए में)	74,689	1,90,871	3,29,796	3,81,632	5,52,527	6,30,265	7,16,396	4,21,500

नोट: 2023-24 के आंकड़े 30 जनवरी, 2024 तक के हैं।

स्रोत: डीबीटी वेबसाइट; पीआरएस।

रक्षा एवं आंतरिक मामले

***रक्षा निर्यात**: रक्षा निर्यात छह गुना बढ़ गया है (2023)।*

- 2022-23 में भारत ने लगभग 16,000 करोड़ रुपए का रक्षा निर्यात दर्ज किया।[17] यह 2016-17 में रक्षा निर्यात (1,521 करोड़ रुपए) से 10 गुना अधिक था।
- मुख्य निर्यात में निम्नलिखित शामिल हैं: (i) आकाश मिसाइल सिस्टम जैसे प्लेटफार्म, (ii) बख्तरबंद वाहन, (iii) गोला-बारूद, (iv) थर्मल इमेजर्स, और (v) बॉडी आर्मर।[17] रक्षा निर्यात बढ़ाने के लिए केंद्र सरकार द्वारा उठाए गए कदमों में निम्नलिखित शामिल हैं: (i) निर्यात के लिए मानक संचालन प्रक्रिया को सरल बनाना,

रेखाचित्र 6: रक्षा निर्यात (करोड़ रुपए में)

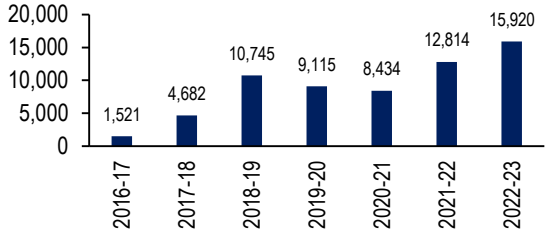

स्रोत: प्रेस सूचना ब्यूरो; पीआरएस।

(ii) संभावित निर्यातकों तक रक्षा मंत्रालय की टेस्टिंग सुविधाओं का विस्तार करना, और (iii) निर्यात के अवसर खोजने के लिए विभिन्न रक्षा सार्वजनिक उपक्रमों को शक्तियां सौंपना।[18]

***आधुनिकीकरण**: सरकार सेना और सशस्त्र बलों के आधुनिकीकरण के काम को तेजी से आगे बढ़ा रही है (2019)।*

- आधुनिकीकरण में रक्षा बलों की क्षमताओं को उन्नत करने और बढ़ाने के लिए अत्याधुनिक प्रौद्योगिकियों और हथियार प्रणालियों की खरीद शामिल है।
- तालिका 3 में समग्र रक्षा व्यय के एक भाग के रूप में आधुनिकीकरण पर व्यय को प्रस्तुत किया गया है। आधुनिकीकरण पर व्यय रक्षा बजट के 20%-25% के बीच है।
- 2023-24 में आधुनिकीकरण के लिए 1,33,534 करोड़ रुपए आवंटित किए गए हैं।[19]

तालिका 3: कुल रक्षा व्यय में आधुनिकीकरण पर व्यय का अनुपात (करोड़ रुपए में)

वर्ष	व्यय	रक्षा बजट का %
2014-15	64,960	23
2015-16	62,149	21
2016-17	69,394	20
2017-18	73,204	19
2018-19	76,398	19
2019-20	91,364	20
2020-21	1,19,152	26
2021-22	1,14,271	23
2022-23 (संअ)	1,23,078	21
2023-24 (बअ)	1,33,534	23

नोट: संअ का अर्थ, संशोधित अनुमान और बअ का अर्थ बजट अनुमान है।
स्रोत: विभिन्न वर्षों के केंद्रीय बजट दस्तावेज; पीआरएस।

***वामपंथी अतिवाद**: वामपंथी अतिवाद, जो पिछले दशकों में सुरक्षा के लिए एक बड़ा खतरा था, अब कुछ जिलों तक सीमित हो गया है (2023)।*

- वामपंथी अतिवाद (एलडब्ल्यूई) दर्ज करने वाले जिलों की संख्या 2010 में 96 से घटकर 2022 में 45 हो गई है।[20]
- 2010 और 2022 के बीच, रिपोर्ट की गई घटनाओं और नागरिकों और सुरक्षा कर्मियों की मौत की संख्या में गिरावट आई है।[21]
- 2015 में केंद्र सरकार ने वामपंथी अतिवाद से निपटने के लिए राष्ट्रीय नीति और कार्य योजना शुरू की।[22] इस नीति में वामपंथी अतिवाद से निपटने के लिए सुरक्षा उपायों और विकास पहल से युक्त एक रणनीति की परिकल्पना की गई है।
- वामपंथी अतिवाद वाले राज्यों में सरकारी पहल में निम्नलिखित शामिल हैं: (i) विशेष पुलिस बलों को मजबूत करना, (ii) फोर्टिफाइड पुलिस स्टेशनों का निर्माण, और (iii) सुरक्षा बलों के प्रशिक्षण और परिचालन संबंधी जरूरतों को पूरा करने को समर्पित व्यय।[22]

तालिका 4: एलडब्ल्यूई से संबंधित मामले

वर्ष	मामले	मृत्यु
2010	2,213	1,005
2011	1,760	611
2012	1,415	415
2013	1,136	397
2014	1,091	310
2015	1,089	230
2016	1,048	278
2017	908	263
2018	833	240
2019	670	202
2020	665	183
2021	509	147
2022	531	98

नोट: मृत्यु में सुरक्षाकर्मियों और नागरिकों की मौत शामिल है।
स्रोत: प्रेस सूचना ब्यूरो; पीआरएस।

***उत्पीड़न के कुछ पीड़ितों को नागरिकता**: अपनी आस्था के कारण उत्पीड़न के शिकार लोगों की सुरक्षा के लिए सरकार पूरी तरह प्रतिबद्ध है। इस संबंध में भाषाई, सांस्कृतिक और सामाजिक पहचान की रक्षा करते हुए नागरिकता एक्ट, 1955 में संशोधन करने का प्रयास किया जाएगा (2019)।*

- नागरिकता (संशोधन) बिल, 2019 को दिसंबर 2019 में संसद द्वारा पारित किया गया था।[23] यह अफगानिस्तान, बांग्लादेश और पाकिस्तान के हिंदू, सिख, बौद्ध, जैन, पारसी और ईसाई प्रवासियों को नागरिकता के लिए पात्र बनाता है। उन्हें तभी पात्र माना जाएगा, जब उन्होंने 31 दिसंबर 2014 से पहले भारत में प्रवेश किया हो। यह व्यक्तियों के ऐसे समूह के लिए देशीयकरण की अवधि को 11 वर्ष से घटाकर पांच वर्ष करता है।
- एक्ट के तहत नियम अभी बनाए जाने बाकी हैं।[24,25] संशोधन एक्ट को सर्वोच्च न्यायालय में चुनौती दी गई है।

***जम्मू-कश्मीर में विकास**: जम्मू-कश्मीर के विकास और वहां के निवासियों को सुरक्षित और शांतिपूर्ण वातावरण प्रदान करने के लिए सभी आवश्यक कदम उठाए जाएंगे (2019)।*

- अगस्त 2019 में संसद ने भारतीय संविधान के अनुच्छेद 370 को निरस्त करने का संकल्प अपनाया।[26] अनुच्छेद ने संसद की विधायी शक्तियों को तत्कालीन राज्य जम्मू और कश्मीर के लिए रक्षा, विदेश मामले, संचार और केंद्रीय चुनावों से संबंधित मामलों तक सीमित किया था।
- संसद ने जम्मू और कश्मीर पुनर्गठन बिल, 2019 भी पारित किया। बिल ने जम्मू-कश्मीर के पूर्ववर्ती राज्य को निम्नलिखित में पुनर्गठित किया: (i) विधानसभा के साथ जम्मू-कश्मीर केंद्र शासित प्रदेश, और (ii) विधानसभा के बिना लद्दाख केंद्र शासित प्रदेश।[27] दिसंबर 2023 में संसद ने निम्नलिखित बिल पारित किए: (i) जम्मू-कश्मीर विधायिका में सीटों की संख्या बढ़ाना और अनुसूचित जनजातियों को आरक्षण प्रदान करना, तथा (ii) जम्मू-कश्मीर की महिलाओं को विधायिका में तथा जम्मू-कश्मीर के अन्य पिछड़े वर्गों को रोजगार में आरक्षण देना।[28,29,30]
- 2021 में केंद्र सरकार ने जम्मू-कश्मीर औद्योगिक नीति 2021-30 और जम्मू-कश्मीर भूमि आवंटन नीति, 2021-30 की भी घोषणा की। ये नीतियां निम्नलिखित का प्रावधान करती हैं: (i) औद्योगिक भूमि के लिए सिंगल विंडो क्लीयरेंस, (ii) छोटे उद्यमों के लिए बिक्री संबंधी प्रोत्साहन, और (iii) नई औद्योगिक इकाइयों के लिए स्टाम्प शुल्क में छूट।
- नई औद्योगिक नीति के लागू होने के बाद से जम्मू-कश्मीर को 66,000 करोड़ रुपए (मार्च 2023 तक) के लगभग 5,300 निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं।[31] 2020-21 और 2022-2023 के बीच लगभग 1,500 कंपनियों (भारतीय और बहुराष्ट्रीय) ने जम्मू-कश्मीर में निवेश किया है।[32] तालिका 7 में 2017-18 से जम्मू-कश्मीर में निवेश पर प्रकाश डाला गया है।

तालिका 5: जम्मू कश्मीर में आतंकवाद संबंधी मामले

वर्ष	मामले	मृत्यु
2014	222	75
2015	208	56
2016	322	97
2017	279	120
2018	417	146
2019	255	124
2020	244	101
2021	229	83
2022	242	63

नोट: मृत्यु में नागरिकों और सुरक्षाकर्मियों की मौत शामिल है।
स्रोत: 2020-21 से 2022-23 की वार्षिक रिपोर्ट, गृह मामलों का मंत्रालय; पीआरएस।

तालिका 6: जम्मू कश्मीर में घुसपैठ

वर्ष	घुसपैठ की कोशिश	घुसपैठ
2014	222	65
2015	121	33
2016	371	119
2017	419	136
2018	328	143
2019	216	138
2020	99	51
2021	77	34
2022	53	14

स्रोत: 2020-21 से 2022-23 की वार्षिक रिपोर्ट, गृह मामलों का मंत्रालय; पीआरएस।

तालिका 7: जम्मू कश्मीर में निवेश (करोड़ रुपए में)

वर्ष	निवेश
2017-18	841
2018-19	591
2019-20	297
2020-21	412
2021-22	377
2022-23	2,153

स्रोत: अतारांकित प्रश्न संख्या 2081, राज्यसभा, गृह मामलों का मंत्रालय, 14 मार्च, 2023; पीआरएस।

कृषि

***किसानों को वित्तीय सहायता**: पीएम-किसान सम्मान निधि के तहत किसानों को 2.25 लाख करोड़ रुपए से अधिक की वित्तीय सहायता प्रदान की गई है (2023)।*

- पीएम किसान सम्मान निधि भूमिधारक किसानों को 6,000 रुपए की वार्षिक आय सहायता प्रदान करती है।[33] 2018 से 2023 के बीच (नवंबर तक) 2.8 लाख करोड़ रुपए ट्रांसफर किए गए हैं।

तालिका 8: पीएम-किसान के तहत धनराशि का संवितरण

वर्ष	लाभार्थियों की संख्या (करोड़ रुपए में)	जारी की गई राशि (करोड़ रुपए में)
2018-19	3	6,323
2019-20	8.8	48,739
2020-21	10	61,931
2021-22	10.9	67,121
2022-23	10.7	58,258
2023-24*	9.2	38,660
कुल	**-**	**2,81,032**

नोट: *2023-24 के आंकड़े 22 नवंबर, 2023 तक के है। लाभार्थियों की संख्या कुल है।
स्रोत: अतारांकित प्रश्न 308, लोकसभा, कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय; पीआरएस।

- 2023-24 में लाभार्थियों की संख्या में पिछले वर्षों की तुलना में गिरावट आई है। (तालिका 8 देखें)। 2022-23 में किसानों को लाभ प्राप्त करने के लिए सक्रिय बैंक खातों के साथ भूमि विवरण और सीड आधार प्रदान करना अनिवार्य कर दिया गया।[34] इससे लाभार्थी खातों का डी-डुप्लीकेशन हो सकता है। लाभार्थियों के लिए ई-केवाईसी अनिवार्य है।[35] जुलाई 2023 तक, लगभग दो करोड़ किसानों का ई-केवाईसी लंबित था।[36]

***न्यूनतम समर्थन मूल्य**: सरकार ने स्वामीनाथन समिति की रिपोर्ट के सुझावों को लागू करने का निर्णय लिया और एमएसपी को उत्पादन लागत का कम से कम 1.5 गुना तक बढ़ा दिया (2021)।*

- न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) वह सुनिश्चित मूल्य है जिस पर केंद्र और राज्य सरकारें किसानों से कृषि उपज खरीदती हैं।[37] स्वामीनाथन समिति ने सुझाव दिया था कि एमएसपी उत्पादन की भारित औसत लागत का कम से कम 1.5 गुना होना चाहिए।

तालिका 9: 2023-24 के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य (रुपए प्रति क्विंटल में)

फसल	उत्पादन की लागत		एमएसपी	ए2+एफएल के अनुपात में एमएसपी
	ए2+एफएल	सी2		
धान	1,455	1,911	2,183	1.5
गेहूं	1,128	1,652	2,275	2
मक्का	1,394	1,797	2,090	1.5
ज्वार	2,120	2,833	3,180	1.5
मूंग	5,705	7,218	8,558	1.5
तूर	4,444	5,993	7,000	1.6

स्रोत: खरीफ और रबी नीति रिपोर्ट (2023-24), कृषि लागत और मूल्य आयोग; पीआरएस।

- केंद्रीय बजट 2018-19 में केंद्र सरकार ने घोषणा की कि एमएसपी उत्पादन लागत का न्यूनतम 1.5 गुना तय की जाएगी। तालिका 9 में 2023-24 के लिए प्रमुख फसलों की एमएसपी को दिखाया गया है। सभी फसलों के लिए, एमएसपी कृषि लागत और मूल्य आयोग द्वारा अनुशंसित उत्पादन लागत का कम से कम 1.5 गुना ए2+एफएल (A2+FL) निर्धारित किया गया है। ए2 फसल पैदा करने में लगने वाली वास्तविक लागत को दर्शाता है, और एफएल, यानी फैमिली लेबर, पारिवारिक श्रम की लागत को दर्शाता है।
- ए2+एफएल कुछ अन्य लागतों जैसे किराया और पूंजीगत संपत्तियों पर ब्याज का हिसाब नहीं रखता है (तालिका 9 में सी2 इन लागतों को शामिल करने के बाद उत्पादन की लागत है)।

***फसल बीमा**: फसल बीमा योजना में नए बदलावों से देश के छोटे किसानों को भी फायदा हुआ है। लगभग आठ करोड़ किसानों को एक लाख करोड़ रुपए से भी ज्यादा मुआवजा दिया गया है (2022)*

- प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना (पीएमएफबीवाई) को 2016 में शुरू किया गया था। इसका उद्देश्य किसानों को बुवाई से लेकर कटाई तक, उन सभी प्राकृतिक जोखिमों के खिलाफ किफायती फसल बीमा देना है, जिनकी रोकथाम नहीं की जा सकती।[38]
- पीएमएफबीवाई के तहत किसान और राज्य एवं केंद्र सरकार, दोनों प्रीमियम में योगदान करते हैं। नवंबर 2023 तक किसानों को 1.13 लाख करोड़ रुपए के दावों का भुगतान किया जा चुका है।[39]

रेखाचित्र 7: पीएमएफबीवाई के तहत बीमांकित आवेदन (करोड़ में)

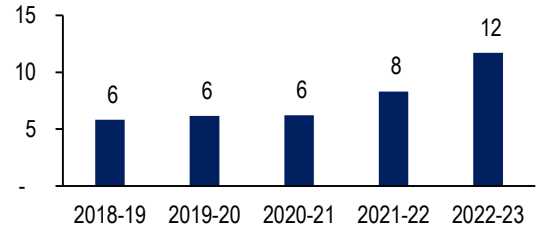

- 2023 ख़रीफ़ सीज़न के लिए 8.3 करोड़ किसानों को कवर किया गया और 2023 रबी सीज़न के लिए 4.9 करोड़ किसानों को कवर किया गया।[40]
- बिहार, आंध्र प्रदेश, पश्चिम बंगाल और गुजरात सहित कई राज्यों ने कुछ सीज़न के लिए इसे लागू करने के बाद इस योजना से बाहर निकलने का विकल्प चुना है।[41] यह जोखिम और वित्तीय बाधाओं के बारे में उनकी धारणा के कारण है।[41]

स्रोत: अतारांकित प्रश्न संख्या. 2609, लोकसभा, कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय; पीआरएस।

***गरीबों को मुफ्त अनाज**: प्रधानमंत्री गरीब कल्याण योजना (पीएमजीकेएवाई) के तहत गरीबों को मुफ्त अनाज उपलब्ध कराने के लिए 3.5 लाख करोड़ रुपए खर्च किए गए हैं (2023)।*

- प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना (पीएमजीकेएवाई) मार्च 2020 में शुरू की गई थी और दिसंबर 2022 तक उपलब्ध कराई गई।[42] योजना के तहत, राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा एक्ट के लाभार्थियों को उनकी मासिक पात्रता से पांच किलोग्राम अतिरिक्त खाद्यान्न प्रदान किया गया था।
- 80.5 करोड़ लाभार्थियों को पीएमजीकेएवाई के तहत कवर किया गया।[43] अनुमानित खर्च 3.9 लाख करोड़ रुपए आंका गया था। 31 दिसंबर, 2022 तक 3.1 लाख करोड़ रुपए जारी किए गए।[44]

***कृषि कानून**: तीन कृषि कानून पारित किए गए (2021)।*

- सितंबर 2020 में संसद द्वारा तीन कृषि कानून पारित किए गए।[45,46,47] इन कानूनों का उद्देश्य: (i) विभिन्न राज्य कृषि उपज विपणन समिति एक्ट्स के तहत अधिसूचित बाजारों के बाहर किसानों की उपज के बाधा मुक्त व्यापार में सहायता करना, (ii) अनुबंध खेती के लिए एक रूपरेखा प्रदान करना, और (iii) युद्ध, अकाल और असाधारण मूल्य वृद्धि जैसी असाधारण परिस्थितियों में दालों, अनाज, आलू और प्याज सहित कुछ फसलों की आपूर्ति के रेगुलेशन पर सीमा निर्धारित करना।
- 2021 में कृषि कानून निरसन बिल, 2021 द्वारा इन कानूनों को निरस्त कर दिया गया।[48]

***सिंचाई सुविधाएं**: प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना और अटल भूजल योजना के तहत 64 लाख हेक्टेयर भूमि में सिंचाई सुविधाएं विकसित की गई हैं (2019)।*

- प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना (पीएमकेएसवाई) 2015 में शुरू की गई थी। इसका उद्देश्य (i) खेतों तक पानी की भौतिक पहुंच बढ़ाना, (ii) सुनिश्चित सिंचाई के तहत खेती योग्य क्षेत्र में वृद्धि करना, और (iii) खेतों में पानी के उपयोग की दक्षता में सुधार करना है।

तालिका 10: पीएमकेएसवाई के तहत प्रगति

घटक	फोकस	लक्ष्य (लाख हेक्टेयर में) (2015-20)	उपलब्धि (लाख हेक्टेयर में)
एआईबीपी	प्रमुख/मध्यम सिंचाई परियोजनाओं को केंद्रीय सहायता प्रदान करना	7.5	24.4 (2016-22)
हर खेत को पानी	(i) लघु सिंचाई और जल संसाधनों की मरम्मत, (ii) जलाशयों की बहाली और नवीनीकरण, और (iii) कमांड क्षेत्र विकास और जल प्रबंधन	21	4 (2016-22)
प्रति बूंद अधिक फसल	सूक्ष्म सिंचाई के माध्यम से खेतों में जल उपयोग दक्षता	100	67.5 (2015-22)
वॉटरशेड विकास	मिट्टी, भूजल और वनस्पति आवरण जैसे प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण	11.5	14.5 (2015-22)
कुल		**140**	**110.5**

स्रोत: जल शक्ति मंत्रालय, प्रेस सूचना ब्यूरो; पीआरएस।

- अटल भूजल योजना 2020 में 6,000 करोड़ रुपए के परिव्यय के साथ शुरू की गई थी। यह 2020-21 और 2024-25 के बीच 1.37 लाख वर्ग किमी क्षेत्र में भूजल संसाधन प्रबंधन में सुधार पर केंद्रित है। यह योजना गुजरात, हरियाणा, महाराष्ट्र, राजस्थान और उत्तर प्रदेश सहित सात राज्यों में लागू की जा रही है।[49] अगस्त 2023 तक 4,769 हेक्टेयर भूमि को सूक्ष्म सिंचाई और भूमिगत पाइपलाइन प्रणालियों जैसे विभिन्न तरीकों के तहत लाया गया है।[50]

***एग्रीकल्चर इंफ्रास्ट्रक्चर फंड**: एग्रीकल्चर इंफ्रास्ट्रक्चर फंड के तहत 1 लाख करोड़ रुपए के कोष वाली हजारों परियोजनाओं को मंजूरी दी गई है (2021, 2022)।*

- एग्रीकल्चर इंफ्रास्ट्रक्चर फंड (एआईएफ) फसल कटाई बाद के मैनेजमेंट इंफ्रास्ट्रक्चर और सामुदायिक कृषि परिसंपत्तियों के लिए ऋण प्रदान करता है। इसे जुलाई 2020 में शुरू किया गया था और इसका कॉरपस एक लाख करोड़ रुपए है। यह योजना 2020-21 से 2032-33 तक चालू रहेगी। दो करोड़ रुपए तक के ऋण के लिए यह योजना पात्र उधारकर्ताओं को क्रेडिट गारंटी और प्रति वर्ष 3% (सात साल तक) की ब्याज छूट प्रदान करती है।[51] पात्र लाभार्थियों में किसान, कृषि-उद्यमी, किसान उत्पादक संगठन, स्वयं सहायता समूह और ज्वाइंट लायबिलिटी ग्रुप्स जैसे किसान समूह शामिल हैं।[52]
- 23 जनवरी 2024 तक 98,753 व्यक्तियों ने ऋण के लिए आवेदन किया है जिनमें से 47,435 आवेदन स्वीकृत किए गए हैं (48%)। मूल्य के लिहाज से, 34,694 करोड़ रुपए के ऋण स्वीकृत किए गए हैं जिनमें से 21,135 करोड़ रुपए वितरित किए गए हैं।[53]

श्रम

श्रम संहिता: 29 केंद्रीय श्रम कानूनों को चार श्रम संहिताओं में समाहित कर दिया गया है (2021)।

- सितंबर 2020 में संसद ने श्रम को रेगुलेट करने वाली तीन संहिताएं पारित कीं। ये इस प्रकार हैं: (i) व्यावसायिक सुरक्षा, स्वास्थ्य और कार्य स्थिति संहिता, 2020, (ii) औद्योगिक संबंध संहिता, 2020, और (iii) सामाजिक सुरक्षा संहिता, 2020।[54,55,56] 2019 में मजदूरी संहिता, 2019 को संसद द्वारा पारित किया गया जिसमें चार मौजूदा कानूनों को शामिल किया गया था। इसका उद्देश्य किसी भी उद्योग, व्यवसाय, व्यापार या मैन्यूफैक्चरिंग क्षेत्र में कर्मचारियों के वेतन और बोनस भुगतान को रेगुलेट करना है।[57] इन एक्ट्स को अभी तक लागू नहीं किया गया है।
- केंद्र और राज्य सरकारों ने सार्वजनिक प्रतिक्रियाओं के लिए इन चार संहिताओं के तहत ड्राफ्ट नियम प्रकाशित किए हैं।[58] जुलाई 2022 तक 31 राज्यों/केंद्रशासित प्रदेशों ने वेतन संहिता, 2019 के तहत, 26 ने औद्योगिक संबंध संहिता, 2020 के तहत, 25 ने सामाजिक सुरक्षा संहिता, 2020 के तहत, और 25 ने व्यावसायिक सुरक्षा, स्वास्थ्य और कार्यस्थिति संहिता, 2020 के तहत नियम प्रकाशित किए हैं।[59]

***किसानों और मजदूरों के लिए पेंशन योजना**: विभिन्न पेंशन योजनाओं (2021) के तहत 60 लाख किसानों, खेतिहर मजदूरों, असंगठित क्षेत्र के मजदूरों और व्यापारियों का कवरेज।*

- 2019 में केंद्र सरकार ने छोटे और सीमांत किसानों, असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों और व्यापारियों के लिए तीन पेंशन योजनाएं शुरू कीं।[60,61,62] ये इस प्रकार हैं: (i) प्रधानमंत्री श्रम योगी मानधन योजना (पीएम-एसवाईएम), (ii) व्यापारियों और स्व-रोजगार प्राप्त व्यक्तियों के लिए राष्ट्रीय पेंशन योजना (एनपीएस- व्यापारी), और (iii) प्रधानमंत्री किसान मानधन योजना (पीएम-केएमवाई)। योजनाएं अंशदायी व्यवस्था के साथ स्वैच्छिक हैं। योजनाएं 60 वर्ष की आयु में परिपक्वता पर प्रति माह 3,000 रुपए की न्यूनतम पेंशन का आश्वासन देती हैं।
- पीएम-एसवाईएम तहत 2020-21 और 2022-23 के बीच तीन करोड़ लाभार्थियों के पंजीकरण का कुल लक्ष्य था।[63] हालांकि जनवरी 2024 तक केवल 49 लाख लाभार्थियों ने पंजीकरण कराया है।[64] इसका एक कारण असंगठित श्रमिकों के लिए राजस्थान, हरियाणा जैसे राज्यों में अलग पेंशन योजनाओं की मौजूदगी थी, जहां उन्हें किसी भी योगदान की आवश्यकता नहीं होती है।[63]

- एनपीएस-व्यापारी का भी 2023-24 तक तीन करोड़ लाभार्थियों को नामांकित करने का लक्ष्य है। जनवरी 2024 तक, 53,739 लाभार्थियों को नामांकित किया गया है।[65, 66] पीएम-केएमवाई के तहत जनवरी 2024 तक 19.5 लाख लाभार्थियों को नामांकित किया गया था।[66]

***रेहड़ी-पटरी वालों को लोन**: पीएम स्वनिधि योजना के तहत करीब 40 लाख रेहड़ी-पटरी वालों को ऋण दिए गए हैं (2023)।*

- आवास और शहरी मामलों के मंत्रालय ने कोविड-19 महामारी से प्रभावित फुटपाथ विक्रेताओं की सहायता के लिए 2020 में पीएम-स्वनिधि को शुरू किया।[67] इस योजना को दिसंबर 2024 तक बढ़ा दिया गया है।[68] यह योजना रेहड़ी पटरी वाले दुकानदारों को 7% वार्षिक ब्याज सबसिडी के साथ कोलेट्रल-मुक्त कार्यशील पूंजी ऋण प्रदान करती है।[69] प्रारंभ में 10,000 रुपए का ऋण प्रदान किया गया। इसके बाद 20,000 रुपए तक का दूसरा ऋण और फिर पहले के ऋणों के पुनर्भुगतान पर 50,000 रुपए तक का ऋण किया जाएगा।[70] यह योजना कैशबैक सुविधा के माध्यम से विक्रेताओं द्वारा डिजिटल लेनदेन को प्रोत्साहित करती है। योजना की शुरुआत के बाद से 33.2 लाख रेहड़ी पटरी वाले दुकानदारों ने डिजिटल लेनदेन पूरा कर लिया है।[71]
- मंत्रालय को जनवरी 2024 तक पीएम-स्वनिधि के तहत लगभग एक करोड़ आवेदन प्राप्त हुए हैं।[71] जनवरी 2024 तक लगभग 60 लाख लाभार्थियों को लगभग 10,000 करोड़ रुपए की राशि का ऋण प्रदान किया गया है। लाभार्थियों में 44% महिलाएं हैं।

तालिका 11: स्वनिधि के तहत ऋणों की संख्या (लाख में)

ऋण अवधि (लोन टर्म)	मंजूर	संवितरित	लक्ष्य*	लक्ष्य में संवितरित ऋण का प्रतिशत	चुकता किया गया ऋण
पहला टर्म (10,000 रुपए)	63.1	59.6	75	79%	24.6
दूसरा टर्म (20,000 रुपए)	17.7	16.7	22.6	74%	3.3
तीसरा टर्म (50,000 रुपए)	2.5	2.3	2.9	79%	-

नोट: *मार्च 2024 तक लक्ष्य हासिल करना है।
स्रोत: पीएम-स्वनिधि वेबसाइट और डैशबोर्ड, 24 जनवरी, 2024 को एक्सेस; पीआरएस।

स्वास्थ्य

***आयुष्मान भारत**: पीएम आयुष्मान भारत योजना के तहत 50 करोड़ से ज्यादा लोगों को मुफ्त इलाज की सुविधा प्रदान की गई है। लगभग 50% लाभार्थी महिलाएं हैं (2023)।*

- आयुष्मान भारत-प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना (एबी-पीएमजेएवाई) किसी भी एम्पैनल्ड अस्पताल में प्रति वर्ष प्रति परिवार पांच लाख रुपए तक का कैशलेस इलाज प्रदान करती है।[72] इस योजना के अंतर्गत 10.7 करोड़ परिवार (लगभग 50 करोड़ व्यक्ति) शामिल हैं।[73] योजना की पात्रता के लिए, ग्रामीण परिवारों को सामाजिक-आर्थिक जाति जनगणना, 2011 में सूचीबद्ध छह मानदंडों में से एक के अंतर्गत आना चाहिए।[74] राज्यों के पास एसईसीसी डेटाबेस से परे लाभार्थियों को शामिल करने की सुविधा है।
- 22 जनवरी, 2024 तक 30.5 करोड़ आयुष्मान भारत कार्ड जारी किए जा चुके हैं।[75] 49% कार्ड महिलाओं को और 51% पुरुषों को वितरित किए गए हैं।[75]
- 2020-21 और 2022-23 के बीच 3.8 करोड़ दावे प्रस्तुत किए गए जिनमें से 3.5 करोड़ दावों का भुगतान (92%) किया गया।[76]
- जनवरी 2024 तक 28,682 अस्पतालों को एम्पैनल किया गया है जिनमें से लगभग 57% सरकारी अस्पताल हैं।[75]
- 2018-19 और 2022-23 के बीच पांच वर्षों में योजना के लिए धनराशि का उपयोग औसतन बजट अनुमान

का लगभग 60% रहा।[77] स्वास्थ्य संबंधी स्टैंडिंग कमिटी (2023) ने कहा है कि योजना के लिए केंद्र के हिस्से के रूप में 6,000-7,000 करोड़ रुपए का वार्षिक आवंटन 33 राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों के लिए अपर्याप्त है।[77]

***प्राथमिक स्वास्थ्य सेवा**: 2022 तक सभी ग्रामीण क्षेत्रों में लगभग 1.5 लाख 'स्वास्थ्य और कल्याण केंद्र' स्थापित करने का लक्ष्य है (2019)।*

- आयुष्मान भारत योजना का लक्ष्य मौजूदा उप-स्वास्थ्य केंद्रों (एसएचसी) और प्राथमिक स्वास्थ्य देखभाल केंद्रों (पीएचसी) को स्वास्थ्य और कल्याण केंद्रों (एचडब्ल्यूसी) में परिवर्तित करना है।[78] प्रत्येक एचडब्ल्यूसी 3,000-5,000 लोगों की आबादी को कवर करेगा और निम्नलिखित सेवाएं प्रदान करेगा: (i) गर्भावस्था और बच्चे के जन्म के दौरान देखभाल, (ii) बाल्यावस्था और किशोर स्वास्थ्य देखभाल सेवाएं, और (iii) मानसिक बीमारियों की स्क्रीनिंग और बुनियादी प्रबंधन और आपातकालीन चिकित्सा सेवाएं।[78]
- 18 दिसंबर, 2023 तक 1.6 लाख एसएचसी और पीएचसी को एचडब्ल्यूसी (बदला हुआ नाम आयुष्मान आरोग्य मंदिर) में अपग्रेड किया गया है।[79]

***चिकित्सा शिक्षा**: 2014 और 2022 के बीच 260 से अधिक मेडिकल कॉलेज खोले गए। स्नातक और स्नातकोत्तर मेडिकल विद्यार्थियों के लिए सीटों की संख्या 2014 और 2022 के बीच दोगुनी हो गई है (2023)।*

- 2012 और 2022 के बीच मेडिकल कॉलेजों (सार्वजनिक और निजी कॉलेजों सहित) की कुल संख्या 355 से बढ़कर 648 (83%) हो गई।[80,81] इस अवधि के दौरान स्नातक चिकित्सा शिक्षा में सीटें 44,302 से बढ़कर 96,277 (117%) हो गईं। स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा में सीटें 22,503 से बढ़कर 64,059 (185%) हो गईं।[80,82]

***सस्ती दवाएं**: 9,000 जन औषधि केंद्रों के माध्यम से कम कीमत पर दवाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं (2023)।*

- जन औषधि योजना का उद्देश्य जन औषधि केंद्रों के माध्यम से सस्ती कीमतों पर अच्छी दवाएं उपलब्ध कराना है।[83] ये वे फार्मेसी हैं जिन्हें फार्मास्यूटिकल उत्पादों की मासिक खरीद पर 15% का प्रोत्साहन मिलता है।[83] प्रोत्साहन की सीमा 15,000 रुपए प्रति माह और कुल मिलाकर पांच लाख रुपए है।[83]
- 30 नवंबर, 2023 तक देश भर में 10,006 जन औषधि केंद्र काम कर रहे थे।[84] सरकार का लक्ष्य मार्च 2026 तक जन औषधि केंद्रों की संख्या 25,000 तक बढ़ाना है।[85]

शिक्षा एवं खेल

***राष्ट्रीय शिक्षा नीति:** 21वीं सदी में वैश्विक आवश्यकताओं और चुनौतियों को ध्यान में रखते हुए सरकार ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति की घोषणा की है (2021)।*

- जुलाई 2020 में जारी राष्ट्रीय शिक्षा नीति, 2020 (एनईपी), स्कूल और उच्च शिक्षा में प्राप्त किए जाने वाले लक्ष्यों पर प्रकाश डालती है।[86] इनमें निम्नलिखित शामिल हैं: (i) स्कूली शिक्षा के सभी स्तरों पर सार्वभौमिक पहुंच, (ii) नई करिकुलम और शैक्षणिक संरचनाएं, (iii) बहु-विषयक शिक्षा, और (iv) उच्च शिक्षा में 50% का सकल नामांकन अनुपात (जीईआर)।[86]
- **राष्ट्रीय करिकुलम फ्रेमवर्क**: 2023 में स्कूली शिक्षा के लिए राष्ट्रीय करिकुलम फ्रेमवर्क (एनसीएफ) जारी किया गया।[87] इसमें एनईपी में परिकल्पित स्कूली शिक्षा के चार-चरणीय डिज़ाइन को शामिल किया गया है। ये चरण हैं: (i) बुनियादी (आयु 3-8), (ii) प्रारंभिक (आयु 8-11), (iii) मध्य (आयु 11-14), और (iv) माध्यमिक (आयु 14-18)। एनसीएफ शिक्षा के प्रत्येक चरण में दक्षता के लिए लक्ष्य भी निर्धारित करता है।
- **निपुण भारत मिशन**: 2026-27 तक कक्षा 3 तक के बच्चों के बीच सार्वभौमिक मूलभूत साक्षरता और न्यूमरेसी के एनईपी के उद्देश्य को प्राप्त करने हेतु जुलाई 2021 में निपुण भारत मिशन को शुरू किया गया था।[88] इसमें साक्षरता और न्यूमरेसी के लिए लक्ष्य निर्धारित करना शामिल है और यह राज्यों को धनराशि और मार्गदर्शन प्रदान करता है।[88] राष्ट्रीय उपलब्धि सर्वेक्षण के अनुसार, 2018 और 2021 के बीच कक्षा 3 के

विद्यार्थियों की भाषा दक्षता में 4% और गणित में 5% की गिरावट आई है।[89,90]

- **पीएम स्कूल फॉर राइजिंग इंडिया (पीएम श्री)**: पीएम श्री के तहत 14,500 स्कूल एनईपी के उद्देश्यों के लिहाज से अनुकरणीय स्कूलों के रूप में काम करेंगे।[91] इस योजना में 2022-23 से 2026-27 तक पांच साल की अवधि को कवर किया गया है। दिसंबर 2023 तक 6,207 स्कूलों (कुल का 43%) को 630 करोड़ रुपए की धनराशि दी गई है।[91,92]

- **उच्च शिक्षा**: उच्च शिक्षा में एनईपी के उद्देश्यों को लागू करने के लिए निम्नलिखित नीतिगत निर्णय शामिल हैं: (i) विभिन्न शैक्षणिक और व्यावसायिक उपलब्धियों के लिए क्रेडिट को सारणीबद्ध और स्थानांतरित करने हेतु राष्ट्रीय क्रेडिट फ्रेमवर्क जारी करना, (ii) अर्जित क्रेडिट को डिजिटल रूप से संग्रहीत करने के लिए अकादमिक बैंक ऑफ क्रेडिट की स्थापना करना, और (iii) उच्च शिक्षा में एकाधिक प्रवेश और निकास बिंदु प्रदान करना।[93,94,95]

***स्कूल छोड़ने की दर**: सरकार ने सरकारी स्कूलों में अलग शौचालय बनाने और सैनिटरी पैड उपलब्ध कराने जैसी कई पहल की हैं। इससे स्कूल छोड़ने की दर में काफी कमी आई है (2023)।*

- अगस्त 2014 में शिक्षा मंत्रालय ने एक वर्ष के भीतर सरकारी स्कूलों में लड़कियों और लड़कों के लिए अलग-अलग शौचालय बनाने का लक्ष्य रखा।[96] अगस्त 2015 तक लगभग 2.6 लाख सरकारी स्कूलों में 4.2 लाख शौचालयों का निर्माण किया गया। इनमें लड़कियों के लिए 1.9 लाख शौचालय शामिल हैं।[96]
- इसके अतिरिक्त समग्र शिक्षा अभियान के तहत, दिसंबर 2022 तक लड़कों के लिए 4.1 लाख शौचालयों (योजना के तहत लक्ष्य का 93%) और लड़कियों के लिए 5.4 लाख के शौचालयों (लक्ष्य का 96%) का निर्माण किया गया।[96]
- राज्य और केंद्र सरकार के स्कूलों में लड़कियों के चालू शौचालय 2021-22 में बढ़कर 94% हो गए।[97]

रेखाचित्र 8: स्कूल शिक्षा में ड्रॉपआउट की दर

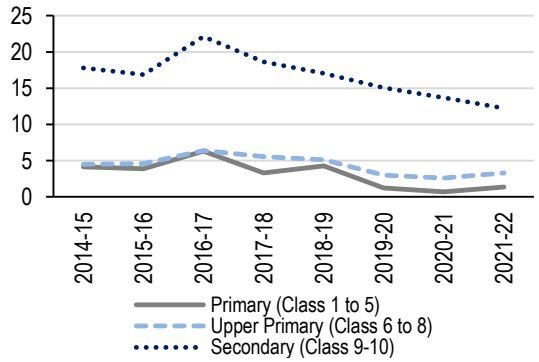

स्रोत: शिक्षा के लिए एकीकृत जिला सूचना प्रणाली प्लस डैशबोर्ड, शिक्षा मंत्रालय; पीआरएस।

- 2016-17 के बाद से शिक्षा के प्रत्येक स्तर पर स्कूल छोड़ने की दर में कमी आई है (रेखाचित्र 6 देखें)। हालांकि वह अभी भी माध्यमिक स्तर (2021-22 में 12%) पर उच्च बनी हुई है।

***उच्च शिक्षा**: पिछले आठ वर्षों में 300 से अधिक नए विश्वविद्यालय और 5,000 कॉलेज स्थापित किए गए हैं (2023)। 75 शैक्षणिक संस्थानों के आधुनिकीकरण के लिए उच्च शिक्षा वित्तपोषण एजेंसी (हेफा) के माध्यम से 37,500 करोड़ रुपए स्वीकृत किए गए हैं (2020)।*

- उच्च शिक्षा में जीईआर 2012-13 में 22% से बढ़कर 2021-22 में 28% हो गया। इसी अवधि के दौरान, एससी के लिए जीईआर 16% से बढ़कर 26% हो गया, जबकि एसटी के लिए 11% से बढ़कर 21% हो गया।[98,99,100,101]
- 2012-13 और 2021-22 के बीच पंजीकृत विश्वविद्यालय 667 से बढ़कर 1,168 (75%) हो गए।[102,101] इस अवधि में पंजीकृत कॉलेज 35,525 से बढ़कर 45,473 (28%) हो गए।[101,102] इनमें सार्वजनिक और निजी संस्थान शामिल हैं।
- हेफा की स्थापना 2017 में भारत के प्रमुख शैक्षणिक संस्थानों में बुनियादी ढांचे के विकास के वित्तपोषण के लिए की गई थी।[103] 2022 में उच्च शिक्षा, स्कूली शिक्षा और स्वास्थ्य मंत्रालय के तहत संस्थानों को कवर करने के लिए हेफा का विस्तार किया गया था।[104] 10,000 करोड़ रुपए के कोष के साथ हेफा की स्थापना की गई थी, और इसे बाजार उधारी और सरकारी बांड के माध्यम से अतिरिक्त 90,000 करोड़ रुपए जुटाने का काम सौंपा गया है।[103]

- सितंबर 2023 तक हेफा द्वारा 101 संस्थानों को 36,644 करोड़ रुपए के ऋण स्वीकृत किए गए हैं जिनमें से 18,294 करोड़ रुपए (50%) वितरित किए गए हैं।[104] इनमें 22 आईआईटी (7,005 करोड़ रुपए), 12 एम्स और स्वास्थ्य मंत्रालय के तहत संस्थानों (4,508 करोड़ रुपए), और 7 आईआईएम (2,249 करोड़ रुपए) को ऋण स्वीकृत किए गए हैं।[104]

***आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग**: सरकार ने हमारे समाज के आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों के लिए 10% आरक्षण प्रदान किया है (2019)।*

- जनवरी 2019 में सरकार ने संविधान (एक सौ तीसरा संशोधन) एक्ट, 2019 पारित किया जो शिक्षा और सार्वजनिक रोजगार में आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों (ईडब्ल्यूएस) के लिए 10% आरक्षण प्रदान करता है।[105] आर्थिक मानदंडों के आधार पर आरक्षण देने और एससी, एसटी और ओबीसी को इसके दायरे से बाहर करने के लिए संशोधन को चुनौती दी गई थी। 2022 में सर्वोच्च न्यायालय ने कानून की संवैधानिक वैधता को बरकरार रखा।[106]

- 2021-22 तक 6.6 लाख विद्यार्थियों को ईडब्ल्यूएस श्रेणी के तहत उच्च शिक्षण संस्थानों में प्रवेश दिया गया है।[101]

***खेल**: देश भर से खेल प्रतिभाओं को पहचानने और उन्हें निखारने के लिए खेलो इंडिया और टारगेट ओलंपिक पोडियम जैसी योजनाएं लागू की जा रही हैं (2023)।*

- 2016 में खेलो इंडिया कार्यक्रम को निम्नलिखित उद्देश्यों से शुरू किया गया था: (i) खेलों में युवाओं की भागीदारी को प्रोत्साहित करना, (ii) जमीनी स्तर पर खेल के बुनियादी ढांचे का निर्माण करना, और (iii) मौजूदा या नई अकादमियों के माध्यम से प्रतिभा की पहचान करना और उनका मार्गदर्शन करना।[107] दिसंबर 2023 तक, 1,523 प्रस्तावित केंद्रों के मुकाबले 960 खेलो इंडिया केंद्र स्थापित किए गए हैं।[108] जुलाई 2023 तक लगभग 40,000 एथलीटों ने खेलो इंडिया गेम्स के 11 संस्करणों में भाग लिया है।[109]

- दिसंबर 2023 तक खेलो इंडिया कार्यक्रम के तहत विभिन्न इंफ्रास्ट्रक्चर परियोजनाओं के लिए 2,836 करोड़ रुपए मंजूर किए गए हैं।[110] 62% राशि जारी की जा चुकी है और इसका उपयोग 178 परियोजनाओं को पूरा करने के लिए किया गया है। इन परियोजनाओं में निम्नलिखित शामिल हैं: (i) बहुउद्देशीय हॉल, (ii) एथलेटिक ट्रैक, (iii) हॉकी मैदान, और (iv) फुटबॉल मैदान।[111,112] 2021-22 के अपवाद के साथ, खेलो इंडिया योजना के तहत वास्तविक व्यय लक्षित राशि से 30% कम हो गया है।

- प्रमुख अंतरराष्ट्रीय आयोजनों के लिए चिन्हित संभावित एथलीटों को सभी अपेक्षित सहायता प्रदान करने के लिए 2014 में टारगेट ओलंपिक पोडियम स्कीम (टॉप्स) शुरू की गई थी।[113] इन एथलीटों की पहचान राष्ट्रीय खेल महासंघों और संबंधित खेल विषयों के राष्ट्रीय प्रशिक्षकों/विशेषज्ञों के परामर्श से की जाती है।[114] उन्हें प्रदत्त सहायता में निम्नलिखित शामिल हैं: (i) विदेशी प्रशिक्षण, (ii) चिकित्सा सहायता, और (iii) आउट ऑफ पॉकेट भत्ते।[113]

- अगस्त 2023 तक, 269 एथलीटों और दो हॉकी टीमों (पुरुष और महिला) को टॉप्स कार्यक्रम में शामिल किया गया है। टोक्यो ओलंपिक (2020) में भारत के सभी सात पदक विजेता और पैरालंपिक (2020) में 19 पदक विजेताओं में से 17 टॉप्स कार्यक्रम का हिस्सा थे।[115]

सामाजिक न्याय

***पिछड़ा वर्ग**: राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग को संवैधानिक दर्जा दिया गया (2023)।*

- संविधान (102वां) संशोधन एक्ट, 2018 को जुलाई 2018 में संसद द्वारा पारित किया गया था।[116] यह राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग (एनसीबीसी) को संवैधानिक दर्जा प्रदान करता है। एनसीबीसी का गठन राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग एक्ट, 1993 के तहत किया गया था।[117] एनसीबीसी पिछड़े वर्गों की सूची में समुदायों को शामिल करने या उससे बाहर करने से संबंधित शिकायतों की जांच हेतु जिम्मेदार है, और इस संबंध में केंद्र

सरकार को सलाह देता है।

***अल्पसंख्यक विद्यार्थी**: सरकार ने 2014 से अल्पसंख्यक समुदायों के 4.5 करोड़ विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति प्रदान की है (2022)।*

- अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय अधिसूचित अल्पसंख्यकों के लिए तीन छात्रवृत्ति योजनाएं लागू करता है: (i) प्री-मैट्रिक छात्रवृत्ति, (ii) पोस्ट-मैट्रिक छात्रवृत्ति, और (iii) योग्यता-सह-साधन (मेरिट-कम-मीन्स) आधारित छात्रवृत्ति।[118]
- 2023-24 में प्री-मैट्रिक छात्रवृत्ति के लिए 433 करोड़ रुपए, पोस्ट-मैट्रिक छात्रवृत्ति के लिए 1,065 करोड़ रुपए और योग्यता-सह-साधन आधारित छात्रवृत्ति के लिए 44 करोड़ रुपए आवंटित किए गए थे।[119] इन छात्रवृत्तियों के लाभार्थियों के आंकड़ों के लिए तालिका 12 देखें।
- अल्पसंख्यकों के लिए कुछ छात्रवृत्तियां 2022-23 के बाद से बंद कर दी गईं जिनके निम्नलिखित कारण हैं (i) अन्य एजेंसियों के तहत कोलेट्रल मुक्त और किफायती ऋण का प्रावधान, और (ii) एनईपी, 2020 और शिक्षा का अधिकार एक्ट, 2009 के साथ असंगतियां।[120] इनमें मौलाना आज़ाद नेशनल फ़ेलोशिप शामिल है जो एम.फिल या पीएचडी करने वाले अल्पसंख्यक विद्यार्थियों की सहायता करती थी। इसके अलावा एक योजना पढ़ो परदेस योजना भी थी जो अल्पसंख्यक विद्यार्थियों को विदेश में अध्ययन हेतु सहायता करती थी।[120]

तालिका 12: प्रदत्त छात्रवृत्तियों की संख्या (लाख में)

वर्ष	प्री-मैट्रिक	पोस्ट-मैट्रिक	मेरिट-कम-मीन्स
2012-13	64.4	7.6	0.7
2013-14	77.9	8.9	1.0
2014-15	75.0	9.1	1.4
2015-16	51.8	6.7	1.3
2016-17	41.5	6.2	1.2
2017-18	53.1	7.0	1.2
2018-19	56.9	6.8	1.2
2019-20	55.7	7.4	1.2
2020-21	52.4	6.6	1.2
2021-22*	57.1	7.2	1.3

नोट: 2021-22 के आंकड़े 6 दिसंबर 2022 तक के हैं।
स्रोत: अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय, प्रेस सूचना ब्यूरो; पीआरएस।

***ट्रांसजेंडर व्यक्ति**: ट्रांसजेंडर (अधिकारों का संरक्षण) एक्ट 2019 लागू किया गया (2020)।*

- ट्रांसजेंडर व्यक्ति (अधिकारों की सुरक्षा) एक्ट, 2019 को नवंबर 2019 में पारित किया गया था।[121] यह एक्ट ट्रांसजेंडर व्यक्तियों के साथ होने वाले भेदभाव को रोकता है, और ट्रांसजेंडर व्यक्तियों के खिलाफ शारीरिक, यौन, भावनात्मक दुर्व्यवहार को दंडित करता है।[121] एक ट्रांसजेंडर व्यक्ति को ऐसे व्यक्ति के रूप में परिभाषित किया गया है जिसका जेंडर जन्म के समय निर्दिष्ट जेंडर से मेल नहीं खाता।[121]
- एक्ट के तहत, एक ट्रांसजेंडर व्यक्ति को स्व-कथित लिंग पहचान (जेंडर आइडेंटिटी) का अधिकार होगा।[121] उन्हें पहचान का प्रमाणपत्र प्राप्त करना होगा, जो अधिकार प्रदान करेगा और उनकी ट्रांस पहचान का प्रमाण होगा।

महिला एवं बाल विकास

***मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य:** राष्ट्रीय पोषण अभियान, मुफ्त स्वास्थ्य जांच और गर्भवती महिलाओं को वित्तीय सहायता जैसी विभिन्न पहलों के माध्यम से शिशुओं और गर्भवती महिलाओं के स्वास्थ्य की रक्षा की दिशा में काम किया जा रहा है (2021)।*

- **राष्ट्रीय पोषण अभियान**: राष्ट्रीय पोषण अभियान (राष्ट्रीय पोषण मिशन को मिलाकर) दिसंबर 2017 में शुरू किया गया था।[122] पोषण अभियान 2017-18 और 2019-20 के बीच 9,046 करोड़ रुपए के परिव्यय के साथ शुरू किया गया था।[122] इस योजना का लक्ष्य निम्नलिखित को सालाना कम करना है: (i) अल्पपोषण को 2%, (ii) गर्भवती महिलाओं और बच्चों में एनीमिया को 3%, (iii) जन्म के समय कम वजन को 2% और (iv) स्टंटिंग को 2015-16 में 38.5% से कम करके 2022 तक 22% करना।[122]

- लगभग 10 करोड़ लोग पोषण अभियान के पात्र लाभार्थी हैं।[123] इसमें से लगभग 9 करोड़ पंजीकृत लाभार्थी 0-6 वर्ष की आयु के बच्चे हैं।[123] दिसंबर 2023 तक लगभग 9.6 करोड़ लोगों ने योजना के तहत सेवाओं का लाभ उठाया है।[123]
- 2022 में कार्यक्रम को पोषण 2.0 और मिशन सक्षम आंगनवाड़ी के साथ फिर से जोड़ा गया।[124] इन कार्यक्रमों का उद्देश्य पोषण सामग्री, वितरण और परिणामों में सुधार करना है।

तालिका 13: संबंधित संकेतकों में परिवर्तन

क्षेत्र	एनएफएचएस-4 (2015-16)	एनएफएचएस-5 (2019-21)
अल्पपोषण	36%	32%
महिलाओं में एनीमिया	50%	52%
बच्चों में एनीमिया	59%	67%
वेस्टिंग	21%	19%
स्टंटिंग	38%	36%

स्रोत: एनएफएचएस-4 और एनएफएचएस-5; पीआरएस।

- प्रासंगिक संकेतकों में परिवर्तन तालिका 3 में दिखाया गया है। 2015-16 और 2020-21 के बीच पोषण के तहत, वेस्टिंग (जन्म के समय कम वजन) और स्टंटिंग में कमी आई है। हालांकि एनीमिया का प्रसार बढ़ गया है।

- **मातृ वंदना योजना**: प्रधानमंत्री-मातृ वंदना योजना जनवरी 2017 में शुरू की गई थी।[125] यह गर्भवती महिलाओं और स्तनपान कराने वाली माताओं के वेतन के नुकसान की भरपाई के लिए प्रदान की गई एक सशर्त नकद हस्तांतरण योजना है। योजना के तहत लाभार्थियों को तीन किस्तों में 5,000 रुपए का भुगतान किया जाता है। यह योजना दूसरे बच्चे के जन्म के बाद 6,000 रुपए के हस्तांतरण का भी प्रावधान करती है, अगर वह बच्चा लड़की है।[126]
- जनवरी 2024 तक लगभग 3.6 करोड़ महिलाओं ने इस योजना में नामांकन कराया था। इनमें से 3.2 करोड़ महिलाओं को 14,427 करोड़ रुपए का नकद भुगतान किया गया।[127]

***बाल टीकाकरण**: मिशन इंद्रधनुष के तहत 3.5 करोड़ शिशुओं और 90 लाख गर्भवती महिलाओं को टीका लगाया गया है (2020)।*

- मिशन इंद्रधनुष (सार्वभौमिक टीकाकरण कार्यक्रम को शामिल करते हुए) को दिसंबर 2014 में स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा शुरू किया गया था। इसका उद्देश्य कम टीकाकरण कवरेज वाले क्षेत्रों में टीकाकरण रहित या आंशिक रूप से टीकाकरण वाले बच्चों और गर्भवती महिलाओं को कवर करना है।[128] कार्यक्रम में आठ जानलेवा बीमारियां शामिल हैं, जैसे: (i) तपेदिक, (ii) पोलियो, (iii) हेपेटाइटिस बी, और (iv) खसरा।[129] इसमें बच्चों के लिए पूर्ण टीकाकरण कवरेज को 2014 के 65% से बढ़ाकर 2020 तक कम से कम 90% करने पर ध्यान केंद्रित किया गया था।[128]
- अक्टूबर 2023 तक 5.1 करोड़ बच्चों और 1.3 करोड़ गर्भवती महिलाओं का पूर्ण टीकाकरण किया जा चुका है।[130]
- एनएफएचएस-5 के अनुसार, 12-23 महीने के बीच के बच्चों में पूर्ण टीकाकरण 2015-16 में 62% से बढ़कर 2019-21 में 74% हो गया है।[131] इसी प्रकार जिन माताओं का पिछला नवजात टिटनस से सुरक्षित था, उनकी संख्या 89% से बढ़कर 92% हो गई।[131]

महिलाओं के साथ अपराध: *महिलाओं के साथ होने वाले अपराधों के लिए दंड को कठोर बना दिया गया है और नए दंड प्रावधानों को सख्ती से लागू किया जा रहा है (2019)।*

- 2018 में महिलाओं और बच्चों के साथ होने वाले बलात्कार पर दंड बढ़ाने के लिए भारतीय दंड संहिता और पॉक्सो में संशोधन किया गया था। 12 और 16 वर्ष से कम उम्र की लड़कियों के साथ बलात्कार और सामूहिक बलात्कार को दंडित करने वाले नए अपराध जोड़े गए।[132]
- इसमें 16 से 12 वर्ष के बीच की लड़कियों के साथ बलात्कार पर न्यूनतम कारावास को 10 वर्ष से बढ़ाकर 20 वर्ष किया गया। साथ ही 12 वर्ष से कम उम्र की लड़की के साथ सामूहिक बलात्कार करने पर न्यूनतम कारावास को 20 वर्ष से उम्रकैद किया गया।[132] एक वयस्क महिला से बलात्कार के लिए न्यूनतम सज़ा भी सात साल की कैद से बढ़ाकर 10 वर्ष कर दी गई।[132]

तालिका 14: नाबालिग लड़कियों से बलात्कार

वर्ष	आईपीसी के तहत	पॉक्सो के तहत
2017	10,059	17,382
2018	9,312	21,401
2019	4,940	25,934
2020	2,640	27,807
2021	3,033	33,036
2022	1,004	37,511

नोट: वर्ष 2016 में आईपीसी के तहत दर्ज बलात्कार के मामले उपलब्ध नहीं हैं।
स्रोत: राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो; पीआरएस।

- आपराधिक दंड प्रक्रिया संहिता (सीआरपीसी) में भी निम्नलिखित संशोधन किए गए: (i) किसी बच्चे के बलात्कार की जांच के लिए निर्धारित समय को तीन से घटाकर दो महीने कर दिया गया, (ii) इस समय-सीमा को बलात्कार के सभी मामलों तक बढ़ा दिया गया, और (iii) 16 साल से कम उम्र की नाबालिग लड़कियों से बलात्कार के आरोपी व्यक्तियों को अग्रिम जमानत देने से इनकार करना।[132]
- आईपीसी के तहत नाबालिगों के साथ बलात्कार के दर्ज मामलों में कमी आई है, जबकि पॉक्सो के तहत दर्ज मामलों में वृद्धि हुई है (तालिका 14)।
- जहां महिलाओं के साथ अपराध में वृद्धि हुई है, वहीं महिलाओं के साथ बलात्कार के मामलों में कमी आई है। महिलाओं के साथ होने वाले कुल अपराधों में चार्जशीट की दर में भी कमी आई है (तालिका 5 और तालिका 6 देखें)।

तालिका 15: महिलाओं के साथ अपराध

वर्ष	मामले	प्रति लाख पर अपराध	चार्जशीट की दर (प्रतिशत में)	दोषसिद्धि की दर (प्रतिशत में)
2014	3,37,922	56.3	91%	21%
2015	3,27,394	53.9	89%	22%
2016	3,38,954	55.2	78%	19%
2017	3,59,849	57.9	80%	25%
2018	3,78,277	58.8	77%	23%
2019	4,05,861	62.4	76%	24%
2020	3,71,053	56.5	79%	30%
2021	4,28,278	64.5	77%	27%
2022	4,45,256	66.4	76%	23%

स्रोत: राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो; पीआरएस।

तालिका 16: महिलाओं के साथ बलात्कार के मामले

वर्ष	कुल	चार्जशीट की दर (प्रतिशत में)	दोषसिद्धि की दर (प्रतिशत में)
2014	36,735	96%	28%
2015	34,771	96%	29%
2016	38,947	88%	26%
2017	32,599	92%	27%
2018	33,977	85%	27%
2019	32,033	82%	28%
2020	28,046	82%	39%
2021	31,677	80%	29%
2022	31,516	78%	27%

स्रोत: राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो; पीआरएस।

लड़कियों के लिए लिंग अनुपात और स्कूल छोड़ने की दर: *बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ पहल के सकारात्मक परिणाम मिले हैं और स्कूलों में नामांकित लड़कियों की संख्या में सुधार हुआ है (2022)।*

- बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ पहल का उद्देश्य बाल लिंग अनुपात में गिरावट को कम करना है।[133] इसके निम्नलिखित उद्देश्य हैं: (i) जेंडर के आधार पर उन्मूलन को रोकना, (ii) बालिकाओं की उत्तरजीविता, सुरक्षा और शिक्षा को सुनिश्चित करना।[134]
- राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण के अनुसार, जन्म के समय लिंगानुपात बढ़ा है। 2005-06 में 1000 लड़कों पर 914 लड़कियां थीं, जबकि 2019-20 में 1000 लड़कों पर 929 लड़कियां हैं।[135]
- शिक्षा मंत्रालय के अनुसार, 2014-15 और 2021-22 के बीच कक्षा 1-8 में छात्राओं का सकल नामांकन अनुपात (जीईआर) लगभग 100% था।[136]
- कक्षा 9-10 में छात्राओं के लिए जीईआर 2014-15 में 76% से बढ़कर 2021-22 में 79% हो गया है। कक्षा 11-12 में लड़कियों के लिए अनुपात 2014-15 में 46% से बढ़कर 2021-22 में 58% हो गया है।

रेखाचित्र 9: स्कूल के विभिन्न स्तरों पर लड़कियों का सकल दाखिला अनुपात

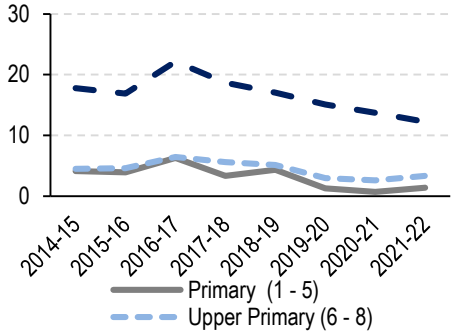

स्रोत: शिक्षा के लिए एकीकृत जिला सूचना प्रणाली प्लस; पीआरएस।

उद्योग

निर्यात: *भारत मोबाइल फोन का एक प्रमुख निर्यातक बन गया है। पिछले कुछ वर्षों में खिलौनों के निर्यात में 60% की वृद्धि हुई है जबकि आयात में 70% की कमी आई है (2023)।*

- 2014-15 और 2021-22 के बीच भारत का मोबाइल फोन निर्यात 1,566 करोड़ रुपए (0.25 बिलियन USD) से बढ़कर 35,696 करोड़ रुपए (4.4 बिलियन USD) (68% प्रति वर्ष) हो गया।[137,138] 2023-24 के पहले सात महीनों (अक्टूबर तक) में भारत ने 64,823 करोड़ रुपए (7.8 बिलियन USD) के मोबाइल फोन का निर्यात किया है।[139] भारत का मोबाइल फोन आयात 2014-15 में 48,609 करोड़ रुपए से घटकर 2022-23 में 6,685 करोड़ रुपए हो गया है।[155]
- 2020 में इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने मोबाइल फोन या उसके विशिष्ट घटकों के निर्माण, एसेंबली, टेस्टिंग के लिए प्रोडक्शन-लिंक्ड इन्सेंटिव (पीएलआई) योजना की घोषणा की थी।
- यह भारत में निर्मित उत्पादों की बढ़ती बिक्री पर 4-6% प्रोत्साहन प्रदान करता है।[140] इस योजना से 2025-26 तक 8.1 लाख करोड़ रुपए का उत्पादन और 4.9 लाख करोड़ रुपए का निर्यात होने की उम्मीद है।[140] जून 2023 तक 3.3 लाख करोड़ रुपए का उत्पादन हुआ है, साथ ही 62,000 प्रत्यक्ष नौकरियां (लक्षित नौकरियों का 30%) सृजित हुई हैं।[140] अगस्त 2023 तक इस योजना के तहत 32 कंपनियों के प्रस्ताव मंजूर किए जा चुके हैं।[141]

तालिका 17: मोबाइल फोन्स का निर्यात (करोड़ रुपए में)

वर्ष	निर्यात
2014-15	1,566
2015-16	1,477
2016-17	1,367
2017-18	11,396
2018-19	27,225
2019-20	22,870
2021-22	35,696

स्रोत: अतारांकित प्रश्न संख्या 2805, राज्यसभा, इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय, 24 मार्च, 2023; पीआरएस।

- 2016-17 और 2022-23 के बीच भारत का खिलौना निर्यात 16% की वार्षिक दर से बढ़ा, जबकि आयात 11% की वार्षिक दर से कम हुआ।[142] खिलौनों के निर्यात में निम्नलिखित शामिल हैं: (i) वीडियो गेम, फेस्टिव, कार्निवल और अन्य मनोरंजन सामग्री।[155]

तालिका 18: खिलौनों का निर्यात और आयात (मिलियन USD में)

	2016-17	2017-18	2018-19	2019-20	2020-21	2021-22	2022-23	2023-24*
निर्यात	135	153	203	239	239	327	326	244
आयात	320	368	372	344	178	110	159	157
व्यापार संतुलन	-185	-215	-169	-105	61	217	167	87

*2023-24 का आंकड़ा अप्रैल से नवंबर तक है। नोट: नेगेटिव चिह्न घाटे को दर्शाता है।

स्रोत: अतारांकित प्रश्न संख्या 3222 लोकसभा, वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय, 9 अगस्त, 2023; वाणिज्य विभाग, वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय; पीआरएस।

***स्टार्टअप**: सरकार 2024 तक 50,000 स्टार्टअप स्थापित करना चाहती है (2019)।*

- स्टार्टअप इंडिया स्कीम को जनवरी 2016 में शुरू किया गया था।[143] 25 जनवरी, 2024 तक उद्योग एवं आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी) ने 1.2 लाख स्टार्टअप्स को मान्यता दी है।[144] अप्रैल 2023 तक, मान्यता प्राप्त स्टार्टअप्स ने 10.3 लाख नौकरियों का सृजन किया है।[145]
- स्टार्टअप को बढ़ावा देने की पहल में निम्नलिखित शामिल हैं: (i) स्टार्टअप के लिए फंड ऑफ फंड योजना, उनकी फंडिंग की जरूरतों को पूरा करने के लिए 10,000 करोड़ रुपए के कोष के साथ स्थापित, (ii) डीपीआईआईटी से मान्यता प्राप्त स्टार्टअप को दिए गए ऋण की गारंटी के लिए स्टार्टअप के लिए क्रेडिट गारंटी योजना, और (iii) अप्रैल, 2016 के बाद निगमित मान्यता प्राप्त स्टार्टअप के लिए लगातार तीन वर्षों तक आयकर छूट।[146] अप्रैल 2023 तक पंजीकृत स्टार्टअप में से 41% तीन राज्यों - कर्नाटक, महाराष्ट्र और दिल्ली से संबंधित थे।[147]

***पीएलआई योजनाएं**: देश में पहली बार 10 मैन्यूफैक्चरिंग क्षेत्रों में करीब 1.5 लाख करोड़ रुपए की प्रोडक्शन लिंक्ड इन्सेंटिव (पीआईएल) स्कीम लागू की जा रही है (2023)।*

- 2020 में केंद्र सरकार ने 14 क्षेत्रों में पीएलआई योजनाओं की घोषणा की थी। इन योजनाओं में पांच वर्षों में 30 लाख करोड़ रुपए का अतिरिक्त उत्पादन प्राप्त करने के लक्ष्य के साथ 1.97 लाख करोड़ रुपए का बजटीय परिव्यय शामिल है।[148] उनका लक्ष्य किसी दिए गए आधार वर्ष के दौरान भारत में निर्मित उत्पादों की वृद्धिशील बिक्री पर कंपनियों को प्रोत्साहन प्रदान करके ऐसा करना है।[149] योजना के अंतर्गत उत्पादों की श्रेणी तालिका 19 में सूचीबद्ध है।
- 2022 तक सभी 14 क्षेत्रों के लिए योजनाएं अधिसूचित की गईं। जून 2023 तक 3.6 लाख करोड़ रुपए के अपेक्षित निवेश के साथ 14 पीएलआई योजनाओं के तहत 733 आवेदन स्वीकृत किए गए हैं।[150] नवंबर 2023 तक लगभग एक लाख करोड़ रुपए का निवेश प्राप्त हो चुका है।[151] पीएलआई से 60 लाख नई नौकरियां पैदा होने की उम्मीद है।[152] अब तक के निवेश से 8.6 लाख करोड़ रुपए का उत्पादन और बिक्री हुई है और करीब सात लाख नौकरियां पैदा हुई हैं।[168]
- तालिका 19 में क्रमशः 2022-23 और 2023-24 के लिए सभी क्षेत्रों में पीएलआई योजना पर संशोधित व्यय और बजटीय आवंटन दिखाया गया है।

तालिका 19: पीएलआई योजनाएं और बजटीय परिव्यय (करोड़ रुपए में)

क्षेत्र/उत्पाद	अनुमानित परिव्य	2022-23 (संअ)	2023-24 (बअ)
ऑटो कंपोनेंट्स और ऑटोमोबाइल्स	25,938	11	604
ड्रोन	120	40	33
एडवांस केमिस्ट्री सेल बैटरी	18,100	1	1
बड़े पैमाने पर इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्यूफैक्चरिंग और आईटी हार्डवेयर	57,890	2,203	4,645
खाद्य प्रसंस्करण	10,900	801	1,530
विशेषीकृत इस्पात	6,322	-	-
फार्मास्यूटिकल मैन्यूफैक्चरिंग	15,000	694	1,000
महत्वपूर्ण आरंभिक सामग्रियां (केएसएम)/ड्रग इंटरमीडिएट्स (थोक दवाएं)	6,940	15	100
चिकित्सा उपकरण	3,420	22	100
उच्च दक्षता वाले सोलर पीवी मॉड्यूल	24,000	-	-
टेलीकॉम और नेटवर्किंग उत्पाद	12,195	90	0
कपड़ा एवं परिधान	10,683	8	5
श्वेत उत्पाद	6,238	4	65
कुल	**1,97,746**	**3,889**	**8,083**

नोट: विशेषीकृत इस्पात के लिए पीएलआई योजना 2024-25 से लागू की जाएगी; उच्च दक्षता वाले सौर पीवी मॉड्यूल के लिए बजटीय आवंटन पर आंकड़े उपलब्ध नहीं है; संअ का अर्थ संशोधित अनुमान है, बअ का अर्थ बजटीय अनुमान है।
स्रोत: अतारांकित प्रश्न संख्या 1386, लोकसभा, योजना मंत्रालय, 28 जुलाई, 2021, पीआरएस।

छोटे व्यापार को ऋण: *प्रधानमंत्री मुद्रा योजना के तहत स्वरोजगार के लिए 19 करोड़ ऋण वितरित किए गए हैं। इस योजना का विस्तार 30 करोड़ लोगों को कवर करने के लिए किया जाएगा (2019)।*

- प्रधानमंत्री मुद्रा योजना (पीएमएमवाई) 2015 में शुरू की गई थी। इसका उद्देश्य नई या मौजूदा सूक्ष्म इकाइयों/उद्यमों को 10 लाख रुपए तक के संस्थागत वित्त तक पहुंच प्रदान करना है।[153] तालिका 19 में 2022-23 तक योजना के तहत वितरित की गई राशि और उसकी वृद्धि को दर्शाया गया है।
- 19 जनवरी 2024 तक 27 लाख करोड़ रुपए के 46 करोड़ ऋण वितरित किए जा चुके हैं।[154] इनमें से 68% महिला उधारकर्ताओं के लिए और 51% एससी, एसटी और ओबीसी उद्यमियों के लिए दिया गया है।[170]
- पीएमएमवाई के तहत तीन श्रेणियों के ऋण प्रदान किए जाते हैं: (i) शिशु (50,000 रुपए तक), (ii) किशोर (50,000 रुपए से 5 लाख रुपए), और तरुण (5 लाख रुपए से 10 लाख रुपए)। 24 मार्च, 2023 तक योजना के तहत स्वीकृत कुल ऋणों में से 83% ऋण 50,000 रुपए से कम थे। यह स्वीकृत कुल राशि का 40% था।[155]

तालिका 20: पीएमएमवाई के तहत मंजूर ऋण (करोड़ में) और संवितरित राशि (करोड़ रुपए में)

	2015-16	2016-17	2017-18	2018-19	2019-20	2020-21	2021-22	2022-23
मंजूर ऋण की संख्या	3.5	4.0	4.8	6.0	6.2	5.1	5.4	6.2
संवितरित राशि	1,32,955	1,75,312	2,46,437	3,11,811	3,29,715	3,11,754	3,31,402	4,50,424
संवितरण में वृद्धि		32%	41%	27%	-6%	-5%	6%	36%

स्रोत: पीएमएमवाई डैशबोर्ड; पीआरएस।

इंफ्रास्ट्रक्चर एवं परिवहन

***परियोजना में देरी**: इंफ्रास्ट्रक्चर परियोजनाओं में देरी को कम करने के लिए पीएम गति-शक्ति राष्ट्रीय मास्टर प्लान तैयार किया गया था (2023)।*

- पीएम गति शक्ति राष्ट्रीय मास्टर प्लान (अक्टूबर 2021 में प्रारंभ) का उद्देश्य रेलवे, सड़क, बंदरगाह, जलमार्ग और हवाई अड्डों जैसे परिवहन इंफ्रास्ट्रक्चर के विकास को एकीकृत करना है।[156] दिसंबर 2023 तक योजना के तहत 100 इंफ्रास्ट्रक्चर कनेक्टिविटी गैप को चिन्हित किया गया था। 2023-24 में योजना के तहत इंफ्रास्ट्रक्चर परियोजनाओं के लिए 75,000 करोड़ रुपए आवंटित किए गए थे।[157]
- पिछले कुछ वर्षों में केंद्रीय क्षेत्र की इंफ्रास्ट्रक्चर परियोजनाओं में समय और लागत दोनों में वृद्धि देखी गई है। नवंबर 2023 तक केंद्रीय क्षेत्र की 845 परियोजनाएं (निगरानी में चल रही कुल परियोजनाओं का 46%) लंबित थीं।[158] लंबित कुल परियोजनाओं में से 76% परियोजनाएं सड़क परिवहन, रेलवे और पेट्रोलियम क्षेत्रों से संबंधित थीं।[158] देरी के कारणों में भूमि अधिग्रहण, पर्यावरण मंजूरी प्राप्त करने और वित्तपोषण में देरी शामिल है।[158]
- परियोजना में देरी के कारण नवंबर 2023 तक कुल लागत 4.4 लाख करोड़ रुपए बढ़ गई है।[158] सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय (2023) ने कहा है कि कई परियोजनाओं के लिए संशोधित लागत अनुमान और कमीशनिंग शेड्यूल दर्ज नहीं किए जा रहे हैं।[158] तालिका 21 और रेखाचित्र 10 में रेल, सड़क, नागरिक उड्डयन, शिपिंग और बंदरगाह क्षेत्रों की परियोजनाओं में देरी और लागत वृद्धि से संबंधित आंकड़े हैं।

तालिका 21: चालू परियोजनाओं में लागत वृद्धि (करोड़ रुपए में)

क्षेत्र	अक्टूबर-21 तक		नवंबर-23 तक	
	राशि	% में	राशि	% में
नागरिक उड्डयन	1,078	7%	2,028	11%
रेलवे	1,38,796	53%	2,11,353	52%
सड़क परिवहन एवं राजमार्ग	14,651	3%	39,014	5%
शिपिंग और बंदरगाह	-1,005	18%	-7	0%

स्रोत: रिपोर्ट संख्या. 456 फ्लैश रिपोर्ट, सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय; पीआरएस।

रेखाचित्र 10: चालू परियोजनाओं में लागत वृद्धि (प्रतिशत में)

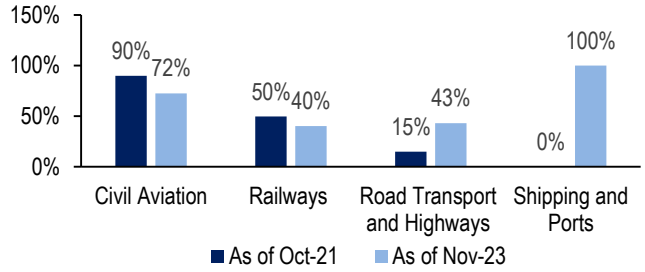

नोट: शिपिंग और बंदरगाहों के तहत एक परियोजना की निगरानी की गई थी।
स्रोत: 431वीं और 456वीं फ्लैश रिपोर्ट, सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय; पीआरएस।

***लॉजिस्टिक्स**: राष्ट्रीय लॉजिस्टिक्स नीति 2022 में शुरू की गई थी जिसका उद्देश्य लॉजिस्टिक्स की लागत को कम करना है (2023)।*

- **उद्देश्य**: राष्ट्रीय लॉजिस्टिक्स नीति (एनएलपी) के मुख्य उद्देश्यों में निम्नलिखित शामिल हैं: (i) लॉजिस्टिक्स इंफ्रास्ट्रक्चर का इष्टतम उपयोग सुनिश्चित करना, और (ii) लॉजिस्टिक्स क्षेत्र में गुणवत्ता मानकों का मानकीकरण करना।[159]
- **लक्ष्य**: एक सरकारी कमीशन रिसर्च के अनुसार, 2021-22 में भारत में लॉजिस्टिक्स की लागत सकल घरेलू उत्पाद का 7.8-9% होने का अनुमान लगाया गया था, जो 2016 में दर्ज सकल घरेलू उत्पाद के 13% से काफी कम है।[160] 2023 में भारत लॉजिस्टिक परफॉर्मेंस इंडेक्स (एलपीआई) में 38 वें स्थान पर था। इससे पहले 2018 में इसकी रैंकिंग 44 थी।[161] नीतिगत लक्ष्यों में शामिल हैं: (i) वैश्विक बेंचमार्क की तुलना में लॉजिस्टिक्स की लागत को कम करना, और (ii) 2030 तक भारत की एलपीआई रैंकिंग को शीर्ष 25 देशों में सुधारना।[159]

रेखाचित्र 11: लॉजिस्टिक्स प्रदर्शन संकेतक में भारत की रैंकिंग

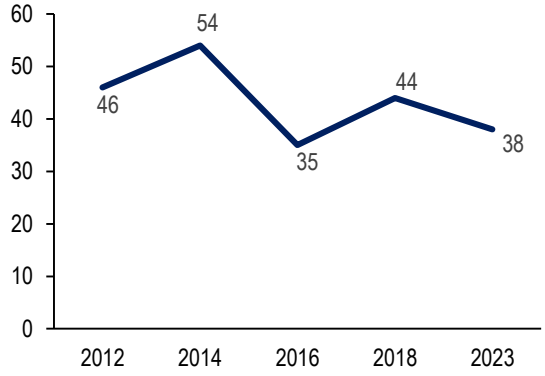

स्रोत: विश्व बैंक; पीआरएस।

- **कार्य योजना**: नीति को एक व्यापक लॉजिस्टिक्स कार्य योजना के माध्यम से लागू किया जाएगा।[159] यह योजना प्रमुख कार्य क्षेत्रों की पहचान करती है जैसे: (i) भौतिक संपत्तियों का मानकीकरण और गुणवत्ता मानकों की बेंचमार्किंग, (ii) निर्यात-आयात (एक्जिम) लॉजिस्टिक्स, और (iii) राज्यों के साथ संलग्नता।
- **प्रगति**: सितंबर 2023 तक क्षेत्र में डिजिटल एकीकरण सुनिश्चित करने के लिए यूनिफाइड लॉजिस्टिक्स इंटरफ़ेस प्लेटफ़ॉर्म का गठन किया गया था। एक्जिम कार्गो को ट्रैक करने और पूर्वानुमान सुनिश्चित करने के लिए एक लॉजिस्टिक्स डेटाबैंक बनाया गया है। सितंबर 2023 तक 22 राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों ने अपनी लॉजिस्टिक्स योजनाएं अधिसूचित कर दी हैं, जो एनएलपी से जुड़ी हैं।[162]

***राष्ट्रीय राजमार्ग**: पिछले आठ वर्षों के दौरान राष्ट्रीय राजमार्ग नेटवर्क में 55% से अधिक की वृद्धि हुई है। भारतमाला परियोजना के तहत 550 से अधिक जिलों को राजमार्गों से जोड़ा जाएगा (2023)।*

- 2012-13 और 2022-23 के बीच भारत के राष्ट्रीय राजमार्ग नेटवर्क की लंबाई 83% बढ़ गई।[163] साल-दर-साल वृद्धि 6% थी। नवंबर 2023 तक भारत का राजमार्ग नेटवर्क 1.5 लाख किमी लंबा है। 2018-19 से विकास की गति धीमी हो गई (तालिका 8 देखें)।
- 2019-20 और 2023-24 के बीच केंद्र सरकार ने 60,000 किमी राष्ट्रीय राजमार्ग बनाने का लक्ष्य रखा।[164] नवंबर 2023 तक उसने 49,500 किमी राष्ट्रीय राजमार्ग का निर्माण किया है।[165]
- मार्च 2019 और फरवरी 2023 के बीच राष्ट्रीय राजमार्ग के रूप में अधिसूचित राज्य राजमार्गों की लंबाई 91,287 किमी से बढ़कर 1.45 लाख किमी हो गई।[166,167]

तालिका 22: लक्षित और निर्मित राष्ट्रीय राजमार्ग (किलोमीटर में)

वर्ष	लक्ष्य	उपलब्धि	उपलब्धि का प्रतिशत
2019-20	11,000	10,237	93%
2020-21	11,000	13,227	120%
2021-22	12,000	10,457	87%
2022-23	12,200	10,331	85%
2023-24*	13,000	5,248	40%

नोट: 2023-24 के आंकड़े नवंबर, 2023 तक के हैं।
स्रोत: अतारांकित प्रश्न संख्या 2659, सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय, राज्यसभा, 16 मार्च, 2023; प्रेस सूचना ब्यूरो; पीआरएस।

तालिका 23: राष्ट्रीय राजमार्गों की लंबाई और वर्ष-दर-वर्ष वृद्धि

वर्ष	2012-13	2013-14	2014-15	2015-16	2016-17	2017-18	2018-19	2019-20	2020-21	2021-22	2022-23
लंबाई (लाख किमी में)	0.79	0.91	0.99	1.01	1.14	1.26	1.33	1.33	1.38	1.41	1.45
वर्ष-दर-वर्ष वृद्धि	10.2%	15.4%	7.2%	3.2%	13.0%	10.7%	4.9%	0.4%	4.0%	2.2%	2.8%

स्रोत: सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय, वर्षांत समीक्षा 2022-23, सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय, प्रेस सूचना ब्यूरो; पीआरएस।

***इंफ्रास्ट्रक्चर पाइपलाइन**: अगले पांच वर्षों में इंफ्रास्ट्रक्चर विकास के लिए 100 लाख करोड़ रुपए का निवेश किया जाएगा (2023)।*

- राष्ट्रीय इंफ्रास्ट्रक्चर पाइपलाइन (एनआईपी) 2020 में शुरू की गई थी। इस पाइपलाइन के तहत 2019-20 और 2024-25 के बीच 109 लाख करोड़ रुपए के पूंजीगत व्यय वाली 6,835 परियोजनाएं प्रस्तावित की गई हैं।[168] जनवरी 2023 तक इसमें 9,581 परियोजनाओं को शामिल किया गया।[169]
- एनआईपी में परिवहन (42%), ऊर्जा (25%) और जल एवं स्वच्छता (15%) की हिस्सेदारी सबसे अधिक है।[168]
- फरवरी 2023 तक 1,066 परियोजनाएं (तत्कालीन स्वीकृत परियोजनाओं का 12%) पूरी हो चुकी थीं। वहीं, 4,552 परियोजनाएं (52.3%) कार्यान्वयन के अधीन थीं।[170] शेष परियोजनाएं विकास और संकल्पना चरण में हैं।

***रेलवे बिजलीकरण**: भारतीय रेलवे दुनिया का सबसे बड़ा बिजली नेटवर्क बनने की ओर बढ़ रहा है (2023)।*

- दिसंबर 2023 तक 61,508 रूट किलोमीटर बिजलीकृत हो चुके हैं।[171] यह कुल ब्रॉड-गेज रूट का 94% है।[171]

***रेल दुर्घटनाएं**: रेलवे सुरक्षा के लिए कवच जैसी स्वदेशी तकनीक का उपयोग किया जा रहा है (2023)।*

- कवच एक स्वचालित ट्रेन सुरक्षा और चेतावनी प्रणाली है, जो इंजनों के बीच टक्कर को रोकने में मदद करती है।[172] इसमें ओवर-स्पीडिंग की स्थिति में ऑटोमैटिक ब्रेक लग जाते हैं।
- कवच को वर्तमान में दक्षिण-मध्य रेलवे में 1,455 रूट किलोमीटर पर इस्तेमाल किया जा रहा है।[172] दिल्ली-हावड़ा और दिल्ली-मुंबई मार्गों के 3000 रूट किलोमीटर पर 172 कवच वर्क्स को लगाया गया है। भारतीय रेलवे का लक्ष्य उच्च-घनत्व और अत्यधिक उपयोग वाले नेटवर्क पर कवच को लागू करना है।

तालिका 24: रेल दुर्घटनाएं और उनके कारण

वर्ष	2017-18	2018-19	2019-20	2020-21	2021-22
कुल दुर्घटनाएं	72	59	54	21	34
मुख्य कारण					
पटरी से उतरना	53	46	40	16	26
ट्रेन में आग	3	6	7	3	4
टक्कर	3	0	5	1	2
लेवल क्रॉसिंग पर दुर्घटनाएं	13	6	1	1	1

स्रोत: भारतीय रेलवे ईयरबुक 2021-22; पीआरएस।

- 2017-18 और 2021-22 के बीच रेल दुर्घटनाओं में कमी आई (तालिका 24 देखें)। 2017-18 और 2021-22 के बीच सभी रेल दुर्घटनाओं में से लगभग 75% दुर्घटनाएं ट्रेन के पटरी से उतरने के कारण हुईं।[173]

***हवाई परिवहन**: हवाई अड्डों की संख्या 2014 में 74 से बढ़कर 2022 में 147 हो गई। उड़ान योजना की मदद से भारत तीसरा सबसे बड़ा विमानन बाजार बन गया है (2023)।*

- क्षेत्रीय कनेक्टिविटी योजना- उड़ान (उड़े देश का आम नागरिक) नवंबर 2016 में शुरू की गई थी।[174] इसका उद्देश्य मार्गों की पहचान करके और ऑपरेटरों को सबसिडी और विशिष्टता प्रदान करके टियर-2 और टियर-3 शहरों में हवाई कनेक्टिविटी बढ़ाना है।[175]
- 2014 और 2023 के बीच हवाई अड्डों की संख्या 47 से बढ़कर 148 हो गई है।[174] सरकार का लक्ष्य 2026 तक उड़ान के तहत 220 हवाई अड्डे (हेलीपैड और जल एयरोडोम सहित) बनाने का है।
- दिसंबर 2023 तक 29 हवाई अड्डों को जोड़ने वाले 517 मार्गों पर परिचालन शुरू हो गया है।[176] 501 मार्ग रद्द कर दिए गए हैं क्योंकि विमान सेवाएं बंद हो गई हैं, या हवाई अड्डे तैयार नहीं हैं। परियोजना में देरी के कारणों में भूमि अधिग्रहण, पर्यावरण मंजूरी और लाइसेंस प्राप्त करने में देरी शामिल है।[176]
- 2012-13 और 2022-23 के बीच भारत में कुल यात्री यातायात 7% की वार्षिक दर से बढ़ा (रेखाचित्र 10 देखें)। 2022-23 में भारतीय घरेलू बाजार में 14 एयरलाइंस काम कर रही थीं।[177]

रेखाचित्र 12: भारत में यात्री यातायात (मिलियन में)

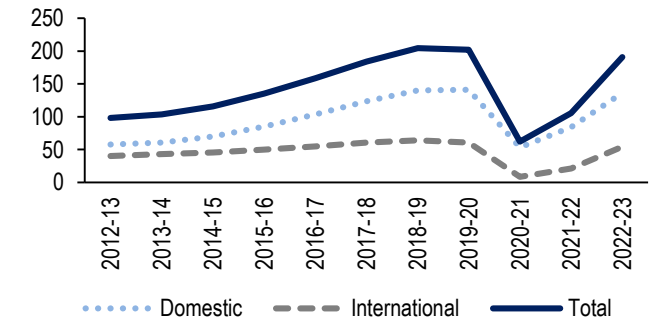

स्रोत: नागरिक उड्डयन सांख्यिकी 2022-23 की हैंडबुक, डीजीसीए; पीआरएस।

***ब्रॉडबैंड कनेक्टिविटी**: पिछले सात सालों में हर दिन करीब 2.5 लाख लोग ब्रॉडबैंड से जुड़े (2023)।*

- भारतीय दूरसंचार रेगुलेटरी अथॉरिटी के अनुसार, हर साल औसतन 8.3 करोड़ लोग ब्रॉडबैंड से जुड़े (27% की वार्षिक वृद्धि)।
- राष्ट्रीय डिजिटल संचार नीति, 2018 में निम्नलिखित लक्ष्य निर्धारित किए गए हैं: (i) 2022 तक प्रत्येक नागरिक को 50 एमबीपीएस पर सार्वभौमिक ब्रॉडबैंड कनेक्टिविटी प्रदान करना, और (ii) 2020 तक सभी ग्राम पंचायतों को एक जीबीपीएस कनेक्टिविटी और 2022 तक 10 जीबीपीएस कनेक्टिविटी प्रदान करना।[178]

- भारत में एक ब्रॉडबैंड कनेक्शन को एक व्यक्तिगत ग्राहक के लिए न्यूनतम दो एमबीपीएस की डाउनलोड गति के रूप में परिभाषित किया गया है। यूएसए, यूके और चीन में इसे क्रमशः 25, 24 और 20 एमबीपीएस परिभाषित किया गया है।[179]
- भारतनेट योजना के तहत सरकार की योजना 2.5 लाख ग्राम पंचायतों को 100 एमबीपीएस कनेक्टिविटी से जोड़ने की है।[180] योजना को पूरा करने की समय सीमा मार्च 2019 से मार्च 2023 तक कई बार संशोधित की गई है।[180] दिसंबर 2023 तक, इसे 2.1 लाख ग्राम पंचायतों में लागू किया गया है।[181]

तालिका 25: हर साल 31 मार्च तक ब्रॉडबैंड सबस्क्राइबर (करोड़ में)

	2014-15	2015-16	2016-17	2017-18	2018-19	2019-20	2020-21	2021-22	2022-23	2023-24*
कुल सबस्क्राइबर	9.9	15	27.7	41.3	56.3	68.7	77.8	78.8	84.6	86.1
हर वर्ष जुड़ने वाले सबस्क्राइबर	5	5.1	12.7	13.6	15	12.4	9.1	1	5.8	1.5

*2023-24 के आंकड़े जून, 2023 तक के है। स्रोत: विभिन्न वर्षों की टेलीकॉम सबस्क्रिप्शन रिपोर्ट; भारतीय दूरसंचार रेगुलेटरी अथॉरिटी; पीआरएस।

शहरी एवं ग्रामीण विकास

***सभी के लिए आवास**: पीएमएवाई के तहत प्रतिदिन 11,000 से अधिक घर बनाए जा रहे हैं। 3.5 करोड़ से ज्यादा परिवारों को पक्के घर (2023)।*

- शहरी (पीएमएवाई-यू) और ग्रामीण क्षेत्रों (पीएमएवाई-जी) में 'सभी के लिए आवास' प्रदान करने हेतु 2015 में प्रधानमंत्री आवास योजना (पीएमएवाई) शुरू की गई थी। योजनाएं 2022 तक चलनी थीं। इन्हें 31 दिसंबर 2024 तक बढ़ा दिया गया है।[182,183]
- पीएमएवाई-यू के तहत, 2021 तक 1.1 करोड़ घरों का निर्माण किया जाना था। जनवरी 2024 तक 80 लाख (71%) पूरे हो चुके हैं और लाभार्थियों को दे दिए गए हैं।[184] दिसंबर 2022 तक लगभग 5.6 लाख घरों को बुनियादी सुविधाओं की कमी के कारण वितरित नहीं किया जा सका।[185]
- पीएमएवाई-जी के तहत 2016-17 से 2023-24 के बीच तक 2.95 करोड़ घर बनाए जाने थे। जनवरी 2024 तक लगभग 2.94 करोड़ घर स्वीकृत किए गए हैं (99.6%) और 2.54 करोड़ घर पूरे हो चुके हैं (86%)।[186]
- पीएमएवाई-जी के तहत भूमिहीन लाभार्थियों को सरकारी या सार्वजनिक भूमि प्रदान की जाती है।[187] पीएमएवाई-जी के तहत 5.5 लाख लाभार्थियों के पास जमीन नहीं है। योजना के तहत उनमें से 2.5 लाख (46%) को भूमि प्रदान की गई है।[188]

***ग्रामीण सड़क नेटवर्क**: 2013-2021 के बीच पीएमजीएसवाई के तहत सड़क नेटवर्क 3.8 से बढ़कर 7 लाख किमी हो गया। 99% से अधिक बस्तियां सड़क मार्ग से जुड़ीं (2023)।*

- प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना (पीएमजीएसवाई) 2000 में शुरू की गई थी, जिसका लक्ष्य ग्रामीण क्षेत्रों में सभी पात्र असंबद्ध बस्तियों को बारहमासी सड़कों से जोड़ना था।[189] मार्च, 2019 तक ग्रामीण सड़क नेटवर्क में पीएमजीएसवाई सड़कों की हिस्सेदारी 21% थी।[190] पीएमजीएसवाई के तहत निर्मित 81% सड़कें पक्की/सतह वाली थीं।[190]

तालिका 26: पीएमजीएसवाई के तहत प्रगति

चरण	उद्देश्य	समय सीमा	सड़क की मंजूर लंबाई (किमी में)	निर्मित सड़क की लंबाई (किमी में)	निर्मित सड़क का प्रतिशत
पीएमजीएसवाई-I	250 से अधिक आबादी वाली बस्तियों को कनेक्ट करना	सितंबर 2022*	6,29,429	6,23,111	99%
पीएमजीएसवाई -II	मौजूदा ग्रामीण सड़क नेटवर्क को मजबूत करने के लिए 50,000 किमी सड़कों के उन्नयन का लक्ष्य	सितंबर 2022*	49,336	48,712	99%
पीएमजीएसवाई -III	ग्रामीण संपर्कों के माध्यम से 1.2 लाख किलोमीटर सड़कों को मजबूत करने का लक्ष्य	मार्च 2025	1,07,513	71,966	67%
आरसीपीएलडब्ल्यूईए	इसका लक्ष्य 9 राज्यों में वामपंथी अतिवाद से सर्वाधिक प्रभावित 44 जिलों और आसपास के कुछ जिलों में सड़क संपर्क में सुधार करना	मार्च 2023*	12,018	8,483	71%

नोट: *पीएमजीएसवाई -I के लिए लक्ष्य शुरू में मार्च 2019 था और पीएमजीएसवाई -II और आरसीपीएलडब्ल्यूईए के लिए, यह मार्च 2020 था।
स्रोत: पीएमजीएसवाई डैशबोर्ड 30 जनवरी, 2024 को एक्सेस; पीआरएस।

***स्वच्छ भारत मिशन**: स्वच्छ भारत मिशन के तहत 10 करोड़ शौचालय बनाए गए। 2022 तक कोई भी गरीब खुले में शौच नहीं करेगा। ग्रामीण क्षेत्रों को खुले में शौच से मुक्त घोषित किया गया (2019-22)।*

- **स्वच्छ भारत मिशन- ग्रामीण** (एसबीएम-जी): एसबीएम-जी ने 2019 तक सार्वभौमिक स्वच्छता कवरेज हासिल करने, खुले में शौच को खत्म करने और ग्रामीण भारत में स्वच्छता में सुधार करने का लक्ष्य रखा। अक्टूबर 2019 तक सभी गांवों को खुले में शौच मुक्त (ओडीएफ) घोषित कर दिया गया।[193] एनएफएचएस-5 के अनुसार, 2019-21 के दौरान 7% ग्रामीण परिवार साझा शौचालय सुविधा का उपयोग करते थे। इस अवधि के दौरान 26% ग्रामीण परिवार खुले में शौच करते थे।[191]
- एसबीएम-जी का चरण-II 2020-21 से 2024-25 तक लागू किया जा रहा है। इसका कुल परिव्यय 1.4 लाख करोड़ रुपए है और यह ओडीएफ स्थिति को बनाए रखने और गांवों को अपशिष्ट प्रबंधन सुविधाएं प्रदान करने पर केंद्रित है।[192] जिन गांवों में ये सुविधाएं हैं, उन्हें ओडीएफ प्लस के रूप में नामित किया जाएगा।[193] जनवरी 2024 तक 5.1 लाख गांवों को ओडीएफ+ घोषित किया जा चुका है।[194] यह एसबीएम-जी के अंतर्गत आने वाले 87% गांवों का प्रतिनिधित्व करता है।
- **स्वच्छ भारत मिशन- शहरी**: 2019 में सभी शहरी क्षेत्रों को खुले में शौच से मुक्त घोषित कर दिया गया।[195] 2020-21 के राष्ट्रीय नमूना सर्वेक्षण के अनुसार, शहरी क्षेत्रों में 81% लोगों को अपने घरेलू परिसर के भीतर बेहतर शौचालय सुविधाओं तक विशेष पहुंच प्राप्त थी।[196] लगभग 3% शहरी परिवारों ने शौचालय सुविधा तक पहुंच न होने की सूचना दी।
- अक्टूबर 2021 में सभी शहरों में ठोस कचरे को अलग करने, कचरे के वैज्ञानिक प्रसंस्करण और अपशिष्ट जल के प्रबंधन हेतु एसबीएम-यू का दूसरा चरण शुरू किया गया था। दिसंबर 2023 तक 73% यूएलबी (3,547) में कार्यात्मक और सुव्यवस्थित सामुदायिक और सार्वजनिक शौचालय हैं, यानी, उन्होंने ओडीएफ+ का दर्जा हासिल कर लिया है।[197] राज्यों में कुछ भिन्नता है (जनवरी, 2024 तक)। कर्नाटक और तमिलनाडु जैसे कुछ राज्यों में लक्ष्य पार हो गए हैं, जबकि गोवा (47%), और दिल्ली (15%) जैसे अन्य राज्यों में 50% से कम लक्ष्य पूरे हुए हैं।[198]

***इलेक्ट्रिक वाहन:** फेम के तहत 7,0000 से अधिक इलेक्ट्रिक बसें सार्वजनिक परिवहन बेड़े में जोड़ी जा रही हैं (2019, 2023)।*

- भारत में फास्टर एडॉप्शन एंड मैन्यूफैक्चरिंग ऑफ इलेक्ट्रिक वेहिकल्स (फेम) यानी इलेक्ट्रिक वाहनों को तेजी से अपनाना और विनिर्माण योजना को 2015 में शुरू किया गया था। योजना के पहले चरण में मांग सृजन,

चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर का निर्माण और टेक्नोलॉजी प्लेटफॉर्म तैयार करने पर ध्यान केंद्रित किया गया था। इसे 895 करोड़ रुपए की कुल बजटीय सहायता के साथ मार्च 2019 तक लागू किया गया था।[199]

तालिका 27: फेम चरण II के तहत बेचे गए इलेक्ट्रिक वाहनों की संख्या (जनवरी 2024)

वाहन के प्रकार	प्रारंभिक लक्ष्य	संशोधित लक्ष्य	बेचे गए ईवी
दोपहिया	10,00,000	9,68,000	11,85,742
तिपहिया	5,00,000	1,26,000	1,38,523
चार पहिया यात्री कार	55,000	11,000	16,991
ई-बस *	7,210	7,090	3,487

*नवंबर 2023 तक के आंकड़े प्रस्तुत किए गए हैं। 6,862 ई-बसें स्वीकृत की गईं।
स्रोत: फेम डैशबोर्ड, 30 जनवरी, 2024 को एक्सेस; उद्योग संबंधी स्टैंडिंग कमिटी की रिपोर्ट; तारांकित प्रश्न 134, लोकसभा, भारी उद्योग मंत्रालय; पीआरएस।

- चरण- II, जो सार्वजनिक और साझा परिवहन के बिजलीकरण के सहयोग पर केंद्रित है, 10,000 करोड़ रुपए के बजटीय सहयोग के साथ 2019 और 2024 के बीच लागू किया जा रहा है।[200] चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर के लिए बजट को कम करने और इसके बजाय इसे मांग प्रोत्साहन के लिए आवंटित करने के लिए चरण- II के तहत लक्ष्यों को 2021 में संशोधित किया गया था।[201,202] 13,41,256 ईवी (जनवरी 2024 तक) की बिक्री पर ईवी मैन्यूफैक्चरर्स को 5,789 करोड़ रुपए की सबसिडी दी गई है।[203]

मेट्रो रेल नेटवर्क: *पिछले 8 वर्षों में मेट्रो नेटवर्क 3 गुना बढ़ गया। 27 शहरों में मेट्रो परियोजनाएं चल रही हैं। (2023)*

- चालू मेट्रो रेल की लंबाई 2014 में 248 किमी से बढ़कर अगस्त 2023 तक 872 किमी हो गई है।[204, 205]
- अगस्त 2023 तक, मेट्रो रेल परियोजनाएं 20 शहरों (11 राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों) में चालू हैं। अगस्त 2023 तक 10 राज्यों में 21 परियोजना प्रस्ताव अनुमोदन के विभिन्न चरणों में हैं, जिनमें से दो को मंजूरी मिल गई है। ये कोच्चि और गुरुग्राम में हैं।[205]

शहरी इंफ्रास्ट्रक्चर*: शहरों में शहरी इंफ्रास्ट्रक्चर के विकास से आर्थिक प्रगति होगी (2019)।*

- अटल कायाकल्प और शहरी परिवर्तन मिशन (अमृत) को 2015 में 500 शहरों में (पांच वर्षों के लिए) लागू करने के लिए शुरू किया गया था। इसमें जल आपूर्ति, सीवरेज और गैर-मोटर चालित शहरी परिवहन जैसी बुनियादी सेवाओं से संबंधित इंफ्रास्ट्रक्चर को विकसित करने की मांग की गई। वैधानिक कस्बों के सभी घरों में चालू नल के माध्यम से पानी की आपूर्ति प्रदान करने और चरण I में शामिल 500 शहरों में सीवेज प्रबंधन को कवर करने के लिए योजना का दूसरा चरण अक्टूबर 2021 में (पांच और वर्षों के लिए) शुरू किया गया था।[206]
- शहरी क्षेत्रों में प्रति दिन लगभग 72,000 मेगालीटर सीवेज (एमएलडी) उत्पन्न होने का अनुमान है। मार्च 2021 तक लगभग 27,000 एमएलडी उपचार क्षमता चालू है।[207] 2020-21 में 63% लोगों के पास पीने के पानी के बेहतर स्रोतों तक विशेष पहुंच थी जो (i) उनके घरेलू परिसर में स्थित थे और (ii) पूरे वर्ष पर्याप्त रूप से उपलब्ध थे।[196]

जल, पर्यावरण एवं ऊर्जा

ग्रामीण जलापूर्ति: *पिछले 3 वर्षों में जल जीवन मिशन के तहत 11 करोड़ परिवारों को पाइप से जलापूर्ति प्रदान की गई है (2023)।*

- प्रत्येक ग्रामीण परिवार (19 करोड़ घरों) को एक चालू घरेलू नल कनेक्शन (एफएचटीसी) प्रदान करने के लिए 2019 में जल जीवन मिशन (जेजेएम) शुरू किया गया था।[208] जेजेएम के तहत 17 जनवरी, 2024 तक 74% ग्रामीण परिवारों (14,16,44,605) के पास राष्ट्रीय स्तर पर एफएचटीसी हैं।[209] हालांकि, झारखंड, राजस्थान और पश्चिम बंगाल सहित कई बड़े राज्यों में, 50% से कम परिवारों के पास एफएचटीसी हैं। केरल में 52% ग्रामीण परिवारों के पास एफएचटीसी हैं।[209] जेजेएम के तहत नल जल कनेक्शन को 'चालू' के रूप में परिभाषित किया जाता है, अगर वे पर्याप्त मात्रा में पानी (55 लीटर प्रति व्यक्ति प्रति दिन) की आपूर्ति करते हैं और नियमित आपूर्ति (पूरे वर्ष, निर्धारित समय पर) के साथ पीने के लिए उपयुक्त हैं।[210]

- 2022 तक घरों में पानी की आपूर्ति की औसत अवधि प्रति दिन तीन घंटे थी।[210]

गैर जीवाश्म ईंधन से बिजली उत्पादन क्षमता: *गैर-जीवाश्म द्वारा 40% बिजली उत्पादन क्षमता निर्धारित समय से 9 साल पहले हासिल की गई (2021, 2023)।*

- कोप21 (2015) में भारत ने 2030 तक अक्षय ऊर्जा में देश की स्थापित क्षमता को 40% तक बढ़ाने के अपने लक्ष्य की घोषणा की। इसे नवंबर 2021 में हासिल किया गया था।[211] इसके अनुरूप, सरकार ने (i) गैर जीवाश्म ईंधन संसाधनों से स्थापित क्षमता 500 GW हासिल करने और (ii) 2030 तक अक्षय ऊर्जा में 50% हिस्सेदारी का लक्ष्य निर्धारित किया है।[211, 212]

तालिका 28: 31 दिसंबर, 2023 तक स्थापित क्षमता

स्रोत	क्षमता (गिगावाट में)	कुल में हिस्सा
कोयला	215	50%
सौर	73	17%
जल	52	12%
पवन	45	10%
गैस	25	6%
अन्य (डीजल, बायो ऊर्जा)	11	3%
परमाणु	7	2%
कुल	**428**	

स्रोत: स्थापित क्षमता रिपोर्ट, केंद्रीय बिजली अथॉरिटी; पीआरएस।

- मार्च 2023 तक भारत में गैर-जीवाश्म ईंधन की स्थापित क्षमता 43% है।[213]
- सरकार ने 31 दिसंबर 2022 तक 175 GW अक्षय ऊर्जा क्षमता की स्थापना का लक्ष्य भी रखा है।[214] मार्च, 2023 तक भारत ने 172 GW अक्षय ऊर्जा क्षमता स्थापित की है।[215] हालांकि अक्षय ऊर्जा से उत्पादन कुल उत्पादन का 23% था।[215]

सौर ऊर्जा: *पिछले आठ वर्षों में सौर ऊर्जा क्षमता लगभग 20 गुना बढ़ गई है (2019)।*

- मार्च 2011 तक भारत की सौर ऊर्जा क्षमता 35 MW थी, जो मार्च 2019 तक बढ़कर 29 GW हो गई। केंद्र सरकार ने भी 2022 तक 100 GW सौर ऊर्जा क्षमता हासिल करने का लक्ष्य रखा था।[216] दिसंबर 2023 तक, यह 73 GW है।
- नवीन और अक्षय ऊर्जा मंत्रालय के तहत सौर ऊर्जा कार्यक्रम के लिए धन का उपयोग भी लगातार कम रहा है (रेखाचित्र 13 देखें)। इसमें रूफटॉप सोलर प्रोग्राम और कृषि पंपों और खेतों के सौर्यीकरण हेतु पीएम-कुसुम योजना आदि के लिए आवंटन शामिल हैं।

रेखाचित्र 13: सौर ऊर्जा कार्यक्रमों के लिए धन का उपयोग

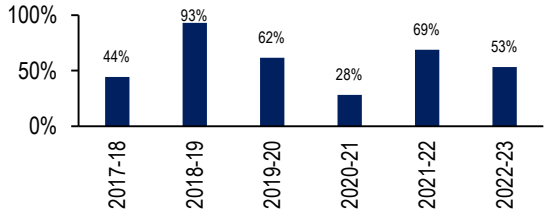

स्रोत: रिपोर्ट संख्या 34, अनुदान मांग, नवीन और अक्षय ऊर्जा मंत्रालय, ऊर्जा संबंधी स्टैंडिंग कमिटी; पीआरएस।

रेखाचित्र 14: सौर ऊर्जा क्षमता (GW में)

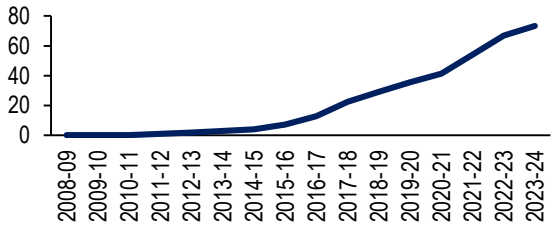

स्रोत: स्थापित क्षमता रिपोर्ट 2016-23, केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण; ऊर्जा सांख्यिकी, केंद्रीय सांख्यिकी कार्यालय 2008-15; पीआरएस।

किसानों के लिए सोलर पंप: *प्रधानमंत्री कुसुम योजना के तहत किसानों को 20 लाख सोलर पंप उपलब्ध कराए जा रहे हैं (2020, 2022, 2023)।*

- 2019 में प्रारंभ पीएम-कुसुम निम्नलिखित जोड़ने का प्रयास करता है: (i) छोटे सौर ऊर्जा संयंत्रों के माध्यम से 10 GW क्षमता, (ii) 20 लाख ऑफ-ग्रिड सौर जल पंप, और (iii) 15 लाख ग्रिड-कनेक्टेड कृषि पंप। इसका लक्ष्य मार्च 2026 तक इन लक्ष्यों को हासिल करना है।[217]
- नवंबर 2023 तक घटक क (1%) के तहत 141 MW क्षमता जोड़ी गई है, घटक ख (14%) के तहत 2.78 लाख ऑफ-ग्रिड सौर पंप स्थापित किए गए हैं, और घटक ग (0.3%) के तहत 4,594 कृषि पंप स्थापित किए गए हैं।[218]

ग्रामीण परिवारों को मुफ्त बिजली: *पीएम सौभाग्य के तहत 2.5 करोड़ से अधिक लोगों को मुफ्त बिजली कनेक्शन (2020, 2022)।*

- 2014 में दीनदयाल उपाध्याय ग्राम ज्योति योजना (डीडीयूजीजेवाई) को शुरू किया गया जिसका उद्देश्य ग्रामीण घरों को बिजली मुहैय्या कराने और बीपीएल परिवारों को मुफ्त बिजली कनेक्शन देने के लिए वितरण प्रणालियों को मजबूत करना है।[219] 2017 तक 49 लाख बीपीएल घरों में बिजली पहुंचाई गई।
- इसके बाद 2017 में प्रधानमंत्री सहज बिजली हर घर योजना (सौभाग्य) शुरू की गई जिसका उद्देश्य सार्वभौमिक घरेलू बिजलीकरण हासिल करना है और देश के हर उस घर में बिजली कनेक्शन प्रदान करना है जहां बिजली नहीं है।[219]
- कुल मिलाकर, दोनों योजनाओं के जरिए मार्च 2022 तक 2.9 करोड़ घरों का बिजलीकरण किया गया।[219] इसमें हिस्सा लेने वाले 29 राज्यों ने 100% घरेलू बिजलीकरण की जानकारी दी और मार्च 2022 में इस योजना को बंद कर दिया गया।[220]

स्वच्छ ईंधन तक पहुंच: *हर गरीब को 2022 तक स्वच्छ ईंधन की सुविधा प्राप्त होगी (2019, 2020, 2022)।*

- देश भर के गरीब परिवारों को खाना पकाने के स्वच्छ ईंधन देने के लिए 2016 में प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना (पीएमयूवाई) शुरू की गई थी। इस योजना में मार्च 2020 तक वंचित परिवारों को आठ करोड़ एलपीजी कनेक्शन प्रदान करने का लक्ष्य रखा गया था।[221] यह लक्ष्य समय पर हासिल किया गया।[222]
- 2021 में पीएमयूवाई चरण-2 (उज्ज्वला 2.0) को शुरू किया गया जिसका उद्देश्य प्रवासी परिवारों पर विशेष ध्यान देने के साथ, अतिरिक्त 1.6 करोड़ एलपीजी कनेक्शन प्रदान करना था। दिसंबर 2022 तक उज्ज्वला 2.0 के तहत लक्ष्य हासिल कर लिया गया।[221] 2023-24 और 2025-26 के बीच अतिरिक्त 75 लाख कनेक्शन बढ़ाए गए, जिससे योजना के तहत कुल लक्ष्य 10.4 करोड़ हो गया।[223] पीएमयूवाई लाभार्थियों की प्रति व्यक्ति खपत 2019-20 के दौरान प्रति वर्ष 3 रिफिल से बढ़कर 2023-24 में 3.8 रिफिल (अक्टूबर 2023 तक) हो गई।
- 2020-21 में एनएसएस द्वारा किए गए मल्टीपल इंडिकेटर सर्वे से पता चला है कि केवल 50% ग्रामीण परिवार खाना पकाने के लिए स्वच्छ ईंधन का उपयोग करते हैं।[224] शहरी परिवारों के लिए यह आंकड़ा 92% था।[224]

इथेनॉल ब्लेंडिंग: *पेट्रोल में 20% इथेनॉल मिश्रण के लक्ष्य को पूरा करने की दिशा में भी प्रगति जारी है (2022, 2023)*

- इथेनॉल ब्लेंडिंग खुदरा बिक्री के लिए पेट्रोल में इथेनॉल मिलाने की पद्धति है। इससे उत्सर्जन कम करने में मदद मिलती है और कच्चे तेल पर निर्भरता कम होती है। तेल विपणन कंपनियों ने 2021-22 में 10% और 2022-23 में 12% इथेनॉल ब्लेंडिंग का लक्ष्य हासिल किया है।[225]
- फरवरी 2023 में सरकार ने ई20 पेट्रोल बेचने का पहला चरण शुरू किया, जो 20% इथेनॉल के साथ मिश्रित पेट्रोल है।[226] ई20 मिश्रित ईंधन को 11 राज्यों/केंद्रशासित प्रदेशों में 84 आउटलेट्स पर शुरू किया गया था।[226]
- जनवरी 2023 तक देश में वार्षिक इथेनॉल उत्पादन क्षमता 1,244 करोड़ लीटर थी।[227] नीति आयोग का अनुमान है कि इथेनॉल की आवश्यकता 2024-25 में 988 करोड़ लीटर से बढ़कर 2025-26 में 1,350 करोड़ लीटर हो जाएगी।[228]

स्वच्छ वायु*: 102 शहरों में राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम शुरू (2019, 2020)।*

- पर्यावरण वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय ने 24 राज्यों के 131 शहरों में वायु गुणवत्ता के स्तर में सुधार के उद्देश्य से जनवरी 2019 में राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम (एनसीएपी) शुरू किया।[229] 2019-20 और 2022-23 के बीच एनसीएपी के तहत शहरों को 8,916 करोड़ रुपए जारी किए गए। इसमें से 23% का उपयोग 2022-23 तक किया जा चुका है।[230]

- 131 में से 95 शहरों ने 2021-22 में पार्टिकुलेट मैटर 10 (पीएम10) कॉन्सेंट्रेशन के संदर्भ में वायु गुणवत्ता में सुधार प्रदर्शित किया था। 2017-18 और 2021-22 के बीच इन शहरों में औसतन पीएम10 कॉन्सेंट्रेशन 23% कम हो गया।[231] पीएम10 ऐसे कण होते हैं जो निर्माण गतिविधियों जैसी यांत्रिक प्रक्रियाओं, सड़क की धूल और हवा के माध्यम से फैलते हैं।
- एनसीएपी का लक्ष्य 2024 तक पीएम10 कॉन्सेंट्रेशन में 20-30% की कमी हासिल करना है। इसका आधार वर्ष 2017 है। 20 शहरों ने 2021-22 में 20-30% की कमी (कुल का 15%) के इस लक्ष्य को पूरा किया। इस लक्ष्य को 2025-26 तक संशोधित कर 40% कर दिया गया है।[231]

गंगा नदी में प्रदूषण: *2022 तक गंगा नदी प्रदूषण मुक्त और बाधारहित बहने लगेगी (2019, 2020)*

- नमामि गंगे कार्यक्रम को जून 2014 में शुरू किया गया था। इसका उद्देश्य गंगा और उसकी सहायक नदियों को पुनर्जीवित करना है। योजना का पहला चरण मार्च 2021 में समाप्त हुआ और बाद में इसे मार्च 2026 तक बढ़ा दिया गया।[232]
- कार्यक्रम के तहत नदी को पुनर्जीवित करने के उपायों में अपशिष्ट जल उपचार, ठोस अपशिष्ट प्रबंधन, वनीकरण और जैव विविधता संरक्षण शामिल हैं। जुलाई 2023 तक कुल 442 परियोजनाएं शुरू की गई हैं, जिनमें से 254 परियोजनाएं पूरी हो चुकी हैं (57%)।[233] अधिकांश परियोजनाएं (193) सीवेज इंफ्रास्ट्रक्चर के निर्माण से संबंधित हैं। इनमें से 106 सीवरेज परियोजनाएं पूरी हो चुकी हैं (55%)।[233]

रेखाचित्र 15: नमामि गंगे कार्यक्रम के तहत धन आवंटन और उपयोग (करोड़ रुपए में)

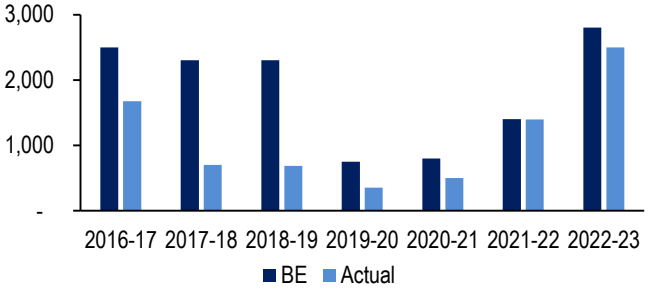

नोट: BE बजट अनुमान है।
स्रोत: विभिन्न वर्षों के लिए जल शक्ति विभाग की अनुदान मांगें; पीआरएस।

- 2020-21 में गंगा और उसकी सहायक नदियों के आसपास 120 सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट (एसटीपी) स्थित थे।[234] उनके पास प्रति दिन 2,235 मेगालीटर की स्थापित क्षमता थी कि वे अपने निकट उत्पन्न होने वाले कचरे का उपचार कर सकें। हालांकि कुल कचरे का केवल 36% ही उपचारित किया जा रहा था।
- नमामि गंगे के तहत धनराशि का कम उपयोग किया गया है। 2016-21 के बीच नमामि गंगे के तहत वास्तविक व्यय बजट अनुमान का 70% से कम था। इनमें से तीन वर्षों में यह 45% से कम था।

हरित हाइड्रोजन: *हाइड्रोजन मिशन हरित ऊर्जा में निवेश को आकर्षित करेगा और स्वच्छ ऊर्जा और ऊर्जा सुरक्षा के लिए विदेशी निर्भरता को कम करेगा (2023)।*

- जनवरी 2023 में, 2030 तक 19,744 करोड़ रुपए के अनुमानित परिव्यय के साथ राष्ट्रीय ग्रीन हाइड्रोजन मिशन शुरू किया गया था। मिशन का उद्देश्य भारत को ग्रीन हाइड्रोजन और उसके डेरिवेटिव के उत्पादन, उपयोग और निर्यात के लिए एक वैश्विक केंद्र बनाना है।[235]
- मिशन का लक्ष्य है: (i) 2030 तक 5 MMT (मिलियन मीट्रिक टन) ग्रीन हाइड्रोजन उत्पादन की क्षमता विकसित करना, (ii) 2030 तक 1 लाख करोड़ रुपए के जीवाश्म ईंधन आयात को कम करना, और (iii) प्रति वर्ष CO2 उत्सर्जन को 50 MMT तक कम करना।[236]

अस्वीकरण: प्रस्तुत रिपोर्ट आपके समक्ष सूचना प्रदान करने के लिए प्रस्तुत की गई है। पीआरएस लेजिसलेटिव रिसर्च के नाम उल्लेख के साथ इस (पीआरएस) रिपोर्ट का पूर्ण रूपेण या आंशिक रूप से गैर व्यावसायिक उद्देश्य के लिए पुनःप्रयोग या पुनर्वितरण किया जा सकता है। रिपोर्ट में प्रस्तुत विचार के लिए अंततः लेखक या लेखिका उत्तरदायी हैं। यद्यपि पीआरएस विश्वसनीय और व्यापक सूचना का प्रयोग करने का हर संभव प्रयास करता है किंतु पीआरएस दावा नहीं करता कि प्रस्तुत रिपोर्ट की सामग्री सही या पूर्ण है। पीआरएस एक स्वतंत्र, अलाभकारी समूह है। रिपोर्ट को इसे प्राप्त करने वाले व्यक्तियों के उद्देश्यों अथवा विचारों से निरपेक्ष होकर तैयार किया गया है। यह सारांश मूल रूप से अंग्रेजी में तैयार किया गया था। हिंदी रूपांतरण में किसी भी प्रकार की अस्पष्टता की स्थिति में अंग्रेजी के मूल सारांश से इसकी पुष्टि की जा सकती है।

[1] Address by the President of India to the Joint Sitting of two houses of Parliament, Office of the President of India, January, 2021, https://presidentofindia.nic.in/writereaddata/Portal/Speech/Document/835/1_sp290121.pdf.
[2] 'GDP (Current US$)', Gender Data Portal, World Bank, accessed on January 24, 2024, https://genderdata.worldbank.org/indicators/ny-gdp-mktp-cd/?view=bar
[3] Foreign Investment Inflows, accessed on January 15, 2023, Database on Indian Economy, Reserve Bank of India, HBS Table No. 149 : Foreign Investment Inflows (rbi.org.in)
[4] '2023 Year End Review for Department for Promotion of Industry and Internal Trade', Press Information Bureau, December 26, 2023,, https://pib.gov.in/PressReleasePage.aspx?PRID=1990377#:~:text=During%20FY%202022%2D23%2C%20FDI,33%20billion%20has%20been%20reported.
[5] Quarterly Factsheet, Foreign Direct Investment Inflow, Department for Promotion of Industry and Trade, accessed on January 28, 2024, https://dpiit.gov.in/sites/default/files/FDI_Factsheet_September_2022_0.pdf
[6] The Central Goods and Services Tax Act, 2017, https://prsindia.org/files/bills_acts/bills_parliament/2017/Central%20GST%20Act,%202017.pdf
[7] Report for the year 2020-21, 15th Finance Commission, November, 2019, https://fincomindia.nic.in/asset/pdf/commission-reports/XVFC_202021%20Report_English_Web.pdf
[8] Unstarred Question No. 2418, Lok Sabha, Ministry of Finance, August 1, 2022, https://sansad.in/getFile/loksabhaquestions/annex/179/AU2418.pdf?Sources=pqals
[9] 'Minutes of 47th meeting of the GST Council held on 28th and 29th of June', GST Council, accessed on January 30, 2023, https://gstcouncil.gov.in/sites/default/files/Agenda/47_MINUTES.pdf
[10] Notification, GST Council, November 1, 2023, https://gstcouncil.gov.in/sites/default/files/GoM-Dynamic/Reconstitution%20of%20GoM%20on%20Rate%20Rationalization.pdf
[11] Foreign Exchange Reserves, Database on Indian Economy, RBI, https://dbie.rbi.org.in/DBIE/dbie.rbi?site=home.
[12] 'India's Foreign Trade – US Dollars', Database of Indian Economy, DBIE-RBI : DATABASE OF INDIAN ECONOMY
[13] Developments in India's Balance of Payments during the Second Quarter (July-September) of 2023-24, Reserve Bank of India, December 26, 2023, https://rbidocs.rbi.org.in/rdocs/PressRelease/PDFs/PR1541BOP2F8D 9332E18B45B7A3CFEA09D087A8C6.PDF.
[14] 'About Us', Direct Benefit Transfer, Government of India, accessed on January 28, 2024, https://dbtbharat.gov.in/static-page-content/spagecont?id=1
[15] Direct Benefit Transfer Dashboard, Last accessed on January 19, 2023, https://dbtbharat.gov.in/.
[16] 'Estimated Gains', Direct Benefit Transfer Dashboard, last accessed January 28, 2024, https://dbtbharat.gov.in/static-page-content/spagecont?id=18
[17] 'Atmanirbharta on the rise: Defence Exports Reach an all-time high of approx. Rs. 16,000 crore on Financial Year 2022-23', Press Information Bureau, April 1, 2023, https://pib.gov.in/PressReleaseIframePage.aspx?PRID=1912885
[18] Unstarred Question No. 1330, Rajya Sabha, Ministry of Defence, March 13, 2023, https://sansad.in/getFile/annex/259/AU1330.pdf?Sources=pqars
[19] Demand No. 21, Ministry of Defence, Union Budget 2023-24, https://www.indiabudget.gov.in/doc/eb/sbe21.pdf
[20] Unstarred Question No. 3065, Lok Sabha, Ministry of Home Affairs, August 8, 2023, https://sansad.in/getFile/loksabhaquestions/annex/1712/AU3065.pdf?Sources=pqals
[21] 'Naxalite Incidents', Press Information Bureau, July 25, 2023, https://pib.gov.in/PressReleasePage.aspx?PRID=1942471
[22] 'Decrease in Naxalite Activities', Press Information Bureau, December 5, 2023, https://pib.gov.in/PressReleaseIframePage.aspx?PRID=1982658#:~:text=The%20number%20of%20LWE%20related,2010%20to%2098%20in%202022.
[23] Citizenship Amendment Bill, 2019, https://prsindia.org/files/bills_acts/bills_parliament/2019/Citizenship%202019%20Bill%20Text.pdf
[24] The Citizenship (Amendment) Act, 2019, https://prsindia.org/files/bills_acts/bills_parliament/2019/Citizenship%20(Amendment)%20Bill,%202019.pdf
[25] 'CAA Rules', July 27, 2021, https://pib.gov.in/PressReleseDetail.aspx?PRID=1739506
[26] 'Parliament approves Resolution to abrogate Article 370; paves way to truly integrate J&K with Indian Union', Press Information Bureau, August 6, 2019, https://pib.gov.in/pressreleaseshare.aspx?prid=1581391.
[27] The Jammu and Kashmir Reorganisation Act, 2019, https://www.indiacode.nic.in/bitstream/123456789/12030/1/A2019-34.pdf.
[28] The Jammu and Kashmir Reorganisation (Amendment) Act, 2023, https://egazette.gov.in/(S(qhylxpamjdu1qk4giekgb2lq))/ViewPDF.aspx.
[29] The Jammu and Kashmir Reorganisation (Second Amendment) Bill, 2023, https://prsindia.org/files/bills_acts/bills_parliament/2023/Jammu_and_Kashmir_Reorganisation_(Second_Amendment)_Bill_2023.pdf .
[30] The Jammu and Kashmir Reservation (Amendment) Act, 2023, https://egazette.gov.in/(S(qhylxpamjdu1qk4giekgb2lq))/ViewPDF.aspx.
[31] 'Investment Proposals in Jammu and Kashmir', Press Information Bureau, March 23, 2023, https://pib.gov.in/Pressreleaseshare.aspx?PRID=1910073
[32] Unstarred Question No. 3735, Rajya Sabha, Ministry of Home Affairs, https://sansad.in/getFile/annex/259/AU3735.pdf?Sources=pqars
[33] PM Kisan Samman Nidhi, Department of Agriculture and Farmers Welfare, as accessed on January 12, 2023, https://pmkisan.gov.in/.
[34] Unstarred Question no. 429, Lok Sabha, Ministry of Agriculture and Farmer's Welfare, December 5, 2023, https://sansad.in/getFile/loksabhaquestions/annex/1714/AU429.pdf?Sources=pqals.
[35] PMKSY Website, as accessed on January 29, 2024, https://pmkisan.gov.in/.
[36] "Implementation of PM-KISAN Yojana", Ministry of Agriculture and Farmer's Welfare, July 21, 2023, Press Information Bureau, https://pib.gov.in/PressReleasePage.aspx?PRID=1941402.
[37] The National Food Security Act, 2013, https://www.indiacode.nic.in/bitstream/123456789/2113/1/201320.pdf.
[38] "Pradhan Mantri Fasal Bima Yojana (PMFBY), Ministry of Agriculture and Farmer's Welfare, https://pmfby.gov.in/.
[39] Unstarred Question no. 2609, Lok Sabha, Ministry of Agriculture and Farmer's Welfare, December 19, 2023, Microsoft Word - lu2609 (sansad.in)
[40] PMFBY Dashboard, as accessed on January 16, 2024, https://pmfby.gov.in/adminStatistics/dashboard.
[41] Unstarred Question no. 2111, Lok Sabha, Ministry of Agriculture and Farmer's Welfare, March 14, 2023, https://eparlib.nic.in/bitstream/123456789/1931754/1/AU2111.pdf
[42] "Pradhan Mantri Garib Kalyan Anna Yojana Phase-I: April 2020 to June 2020", August 5, 2020, Press Information Bureau, https://pib.gov.in/PressReleasePage.aspx?PRID=1643542
[43] Unstarred Question no. 2761, Lok Sabha, Ministry of Consumer Affairs, Food and Public Distribution, December 20, 2023, https://sansad.in/getFile/loksabhaquestions/annex/1714/AU2761.pdf?Sources=pqals
[44] Unstarred Question no. 2394, Lok Sabha, Ministry of Consumer Affairs, Food and Public Distribution, March 15, 2023, https://eparlib.nic.in/bitstream/123456789/1931417/1/AU2394.pdf.
[45] The Farmer's Produce, Trade and Commerce Promotion and Facilitation Bill, 2020, https://prsindia.org/billtrack/the-farmers-produce-trade-and-commerce-promotion-and-facilitation-bill-2020
[46] The Farmer's Empowerment and Protection Agreement on Price Assurance and Farm Services Bill, 2020, https://prsindia.org/billtrack/the-farmers-empowerment-and-protection-agreement-on-price-assurance-and-farm-services-bill-2020
[47] The Essential Commodities Bill, 2020, https://prsindia.org/billtrack/the-essential-commodities-amendment-bill-2020

[48] The Farm Laws Repeal Bill, 2021, https://prsindia.org/files/bills_acts/bills_parliament/2021/Farm%20Laws%20Repeal%20Bill,2021.pdf
[49] Report no 22, "Groundwater: A valuable but diminishing resources", Ministry of Jal Shakti, Standing Committee on Water Resources, March 20, 2023, https://sansad.in/getFile/lsscommittee/Water%20ReSourcess/17_Water_ReSourcess_22.pdf?Sources=loksabhadocs
[50] Starred Question no. 210, Lok Sabha, Ministry of Jal Shakti August 3, 2023, https://eparlib.nic.in/bitstream/123456789/2501105/1/AS210.pdf
[51] Agriculture Infrastructure Fund Website, as accessed on January 23, 2024, https://www.myscheme.gov.in/schemes/aif
[52] "Agriculture Infrastructure Fund crosses Rs.30,000 crore mark of capital mobilization for projects in agriculture sector for creation of post-harvest management infrastructure and community farming assets", January 23, 2023, Press Information Bureau, https://pib.gov.in/PressReleasePage.aspx?PRID=1892987#:~:text=Scheme%2C%20AIF%20is%20providing%20all,Liability%20Groups%20(JLGs)%20etc.
[53] Agriculture Infrastructure Dashboard, as accessed on January 23, 2024, https://agriinfra.dac.gov.in/Home/Dashboard.
[54] The Industrial Relations Code, 2020, https://prsindia.org/billtrack/the-industrial-relations-code-2020
[55] The Occupational Safety, Health and Working Conditions Code, 2020, https://prsindia.org/billtrack/the-occupational-safety-health-and-working-conditions-code-2020
[56] The Code on Social Security, 2020, https://prsindia.org/billtrack/the-code-on-social-security-2020
[57] The Code on Wages, 2019, https://prsindia.org/billtrack/the-code-on-wages-2019#:~:text=The%20Code%20on%20Wages%2C%202019%20was%20introduced%20in%20Lok%20Sabha,or%20manufacture%20is%20carried%20out.
[58] Unstarred Question no. 809, Lok Sabha, Ministry of Labour and Employment, December 12, 2023, https://eparlib.nic.in/bitstream/123456789/1466949/1/AU809.pdf
[59] "New Wage Code", Ministry of Labour and Employment, July 25, 2022, Press Information Bureau, https://pib.gov.in/PressReleaseIframePage.aspx?PRID=1844649
[60] Notification, Ministry of Labour and Employment, https://labour.gov.in/sites/default/files/197105.pdf.
[61] National Pension Scheme for Traders and Self-Employed Persons, Ministry of Labour and Employment¸ https://labour.gov.in/nps-traders.
[62] Pradhan Mantri Kisan Maan Dhan Yojana, https://www.myscheme.gov.in/schemes/pmkmy.
[63] Report no. 41, Standing Committee on Labour, textiles and Skill Development, "Demand for Grants", March 13, 2023, https://sansad.in/getFile/lsscommittee/Labour,%20Textiles%20and%20Skill%20Development/17_Labour_Textiles_and_Skill_Development_41.pdf?Sources=loksabhadocs
[64] PM-SYM Dashboard, Ministry of Labour and Employment, as accessed on January 24, 2024, https://labour.gov.in/dashboard
[65] "National Pension Scheme for Traders", Ministry of Labour and Employment, March 31, 2022, Press Information Bureau, Press Information Bureau (pib.gov.in).
[66] Maandhan Dashboard, as accessed January 30, 2024, https://maandhan.in/maandhan/summary.
[67] "PM SVANidhi Scheme", Ministry of Housing and Urban Affairs, August 7, 2023, Press Information Bureau, https://pib.gov.in/PressReleaseIframePage.aspx?PRID=1946307.
[68] "Extension of PM SVANidhi Scheme", Ministry of Housing and Urban Affairs, December 8, 2022, Press Information Bureau, https://pib.gov.in/PressReleasePage.aspx?PRID=1881759.
[69] Unstarred Question no. 1989, Lok Sabha, Ministry of Housing and Urban Affairs, December 14, 2023, https://sansad.in/getFile/loksabhaquestions/annex/1714/AU1989.pdf?Sources=pqals.
[70] Unstarred Question no. 1553, Lok Sabha, Ministry of Housing and Urban Affairs, December 15, 2023, https://sansad.in/getFile/loksabhaquestions/annex/1710/AU1553.pdf?Sources=pqals#:~:text=(c)%20to%20(f)%3A,June%2001%2C%202022%20were%20introduced.
[71] PM-SVANidhi Dashboard, as accessed on January 24, 2024, PM SVANidhi (mohua.gov.in)
[72] "About Ayushman Bharat", Ministry of Health and Family Welfare, accessed on December 15, 2023, https://nha.gov.in/PM-JAY#
[73] "Ministry of Health and Family Welfare, accessed on December 15, 2023, https://pib.gov.in/Pressreleaseshare.aspx?PRID=1546948
[74] "Coverage under PM-JAY", Ministry of Health and Family Welfare, accessed on December 15, 2023, https://nha.gov.in/PM-JAY#
[75] "Ayushman Bharat Pradhan Mantri Jan Aarogya Yojana", Ministry of Health and Family Welfare, accessed on December 15, 2023, https://dashboard.pmjay.gov.in/pmj/#/
[76] Starred Question No. 24, Rajya Sabha, Ministry of Health and Family Welfare, December 5, 2023, https://sansad.in/getFile/annex/262/AS24.pdf?Sources=pqars
[77] "Implementation of Ayushman Bharat", Standing Committee on Health and Family Welfare, December 19, 2023, https://sansad.in/getFile/rsnew/Committee_site/Committee_File/ReportFile/14/187/151_2023_12_19.pdf?Sources=rajyasabha
[78] "Ayushman Bharat – Comprehensive Primary Care through Health and Wellness Centres – Operational Guidelines", Ministry of Health and Family Welfare, https://nhsrcindia.org/sites/default/files/2021-03/Operational%20Guidelines%20For%20Comprehensive%20Primary%20Health%20Care%20through%20Health%20and%20Wellness%20Centers.pdf
[79] "Ayushman Bharat - Health and Wellness Centres Report Card", Ayushman Bharat - Health and Wellness Centre, Ministry of Health and Family Welfare, https://ab-hwc.nhp.gov.in/#about (accessed January 11, 2023)
[80] "Year-end Review 2012", Press Information Bureau, December 24, 2012, https://pib.gov.in/newsite/erelcontent.aspx?relid=91150
[81] Unstarred Question No. 757, Rajya Sabha, Ministry of Health and Family Welfare, December 13, 2022, https://sansad.in/getFile/annex/258/AU757.pdf?Sources=pqars
[82] Unstarred Question No. 1511, Lok Sabha, Ministry of Health and Family Welfare, July 28, 2023, https://eparlib.nic.in/bitstream/123456789/2502337/1/AU1511.pdf
[83] "Pradhan Mantri Bhartiya Janaushadhi Pariyojana" (PMBJP)", Department of Pharmaceuticals Ministry of Chemicals and Fertilisers, https://pharmaceuticals.gov.in/sites/default/files/Website%20updation%202022%20PMBJP-1.pdf
[84] "Yea- end Review =- Department of Pharmaceuticals", Press Information Bureau, December 29, 2023, https://pib.gov.in/PressReleseDetail.aspx?PRID=1991501
[85] "Pradhan Mantri Jan Aushadi Pariyojana achieved their target of Rs. 1000 crore in sales in FY 2023-24", Press Information Bureau, December 20, 2023, https://pib.gov.in/PressReleaseIframePage.aspx?PRID=1988675
[86] National Education Policy, 2020, Ministry of Education, https://www.education.gov.in/sites/upload_files/mhrd/files/NEP_Final_English_0.pdf
[87] National Curriculum Framework for School Education,2023, Ministry of Education.
[88] "Union Education Minister to launch NIPUN Bharat tomorrow", Press Information Bureau, Ministry of Education, July 4, 2021, https://www.pib.gov.in/PressReleasePage.aspx?PRID=1732597.
[89] "National Achievement Survey National Report Card NAS 2021, Class III, V, VIII, &X", Ministry of Education, https://nas.gov.in/download-national-report.
[90] "Learning Achievement of Students, Class X (Cycle 2), NAS 2018", Ministry of Human Resources Development, https://nas.gov.in/assets/front/National-Report-Card-2017.zip.
[91] "PM Schools for Rising India (PM SHRI)", Department of School Education and Literacy, accessed on December 14, 2023, https://dsel.education.gov.in/pm-shri-schools .
[92] "Achievements of National Education Policy", Press Information Bureau, December 20, 2023, https://pib.gov.in/PressReleaseIframePage.aspx?PRID=1988845
[93] National Credit Framework, University Grants Commission, April, 2023, https://www.ugc.gov.in/pdfnews/9028476_Report-of-National-Credit-Framework.pdf

[94] "Academic Bank of Credits", Ministry of Education, Accessed on December 14, 2023, https://www.abc.gov.in/.
[95] Guidelines for Multiple Entry and Exit in Academic Programmes offered in Higher Education Institutions, University Grants Commission, https://www.education.gov.in/sites/upload_files/mhrd/files/upload_document/abc_doc.pdf
[96] Unstarred Question No. 681, Rajya Sabha, Ministry of Education, February 8, 2023, https://pqars.nic.in/annex/259/AU681.pdf
[97] Unified District Information System for Education Plus (UDISE) 2021-22, Ministry of Education, accessed on January 23, 2023, https://dashboard.udiseplus.gov.in/assets/images/pdf/UDISE+2021_22_Booklet.pdf.
[98] All India Survey of Higher Education 2016-17, Ministry of Education, accessed on January 24, 2023, https://aishe.gov.in/aishe/viewDocument.action?documentId=239.
[99] All India Survey of Higher Education 2017-18, Ministry of Education, accessed on January 24, 2023. https://epsiindia.org/wp-content/uploads/2019/02/AISHE-2017-18.pdf.
[100] All India Survey of Higher Education 2018-19, Ministry of Education, accessed on January 24, 2023, https://www.education.gov.in/sites/upload_files/mhrd/files/statistics-new/AISHE%20Final%20Report%202018-19.pdf.
[101] All India Survey of Higher Education, 2021-22, Ministry of Education, accessed on January 28, 2023, https://aishe.gov.in/aishe/viewDocument.action;jsessionid=EDEB03235DF6D912610513AB95C4FF4F.n3?documentId=353.
[102] "All India Survey of Higher Education 2012-13", Ministry of Education, accessed on January 19, 2024, https://aishe.gov.in/aishe/viewDocument.action?documentId=194.
[103] "About-us", Higher Education Financing Agency, accessed on December 14, 2023, https://hefa.co.in/about-us/#Our-Objectives.
[104] "Whom we Finance", Higher Education Financing Agency, accessed on December 14, 2023, https://hefa.co.in/apply-for-loan/#Whom-we-finance.
[105] The Constitution (One Hundred and Third Amendment) Bill, 2019, https://sansad.in/getFile/BillsTexts/LSBillTexts/PassedBothHouses/103%20Act.pdf?Sources=legislation.
[106] Writ Petition (Civil) No. 55 of 2019, Janhit Abhiyan vs. Union of India, Supreme Court, November 7, 2022, https://main.sci.gov.in/supremecourt/2019/1827/1827_2019_1_1501_39619_Judgement_07-Nov-2022.pdf.
[107] Khelo India – National Programme for Development of Sports, Ministry of Youth Affairs & Sports, April 22, 2016, https://yas.nic.in/sites/default/files/Khelo%20India%20Scheme%20Dated%2022.04.2016.pdf.
[108] Unstarred Question No. 1757, Rajya Sabha, Ministry of Youth Affairs and Sports, August 3, 2023, https://sansad.in/getFile/annex/260/AU1757.pdf?Sources=pqars.
[109] Unstarred Question No. 960, Rajya Sabha, Ministry of Youth Affairs and Sports, July 27, 2023, https://sansad.in/getFile/annex/260/AU960.pdf?Sources=pqars.
[110] "Amount Sanctioned/Released", Ministry of Youth Affairs and Sports, accessed on December 15, 2023, https://mdsd.kheloindia.gov.in/gratee-type-wise-progress.
[111] "Project Status under Khelo India Scheme", Ministry of Youth Affairs and Sports, accessed on December 15, 2023, https://mdsd.kheloindia.gov.in/infrastructure-wise-pie-chart.
[112] "Project Progress", Ministry of Youth Affairs and Sports, accessed on December 15, 2023, https://mdsd.kheloindia.gov.in/state-wise-progress.
[113] Unstarred Question No. 1756, Rajya Sabha, Ministry of Youth Affairs and Sports, August 3, 2023, https://sansad.in/getFile/annex/260/AU1756.pdf?Sources=pqars
[114] Unstarred Question No. 149, Rajya Sabha, Ministry of Youth Affairs and Sports, February 24, 2016, https://sansad.in/getFile/annex/238/Au149.pdf?Sources=pqars
[115] Unstarred Question No. 1112, Rajya Sabha, Ministry of Youth Affairs and Sports, December 15, 2023, https://sansad.in/getFile/annex/258/AU1112.pdf?Sources=pqars#:~:text=Prominent%20athletes%20like%20Neeraj%20Chopra,for%20the%20last%20few%20years.
[116] The Constitution (One Hundred and Second Amendment) Bill, 2018, Ministry of Social Justice and Empowerment, https://sansad.in/getFile/BillsTexts/LSBillTexts/PassedBothHouses/Const-102%20Amd%20Act.pdf?Sources=legislation
[117] The National Commission for Backward Classes Act, 1993, https://lddashboard.legislative.gov.in/sites/default/files/A1993-27_0.pdf
[118] "Year End Review of The Ministry of Minority Affairs", Press Information Bureau, Ministry of Minority Affairs, December 16, 2022, https://www.pib.gov.in/PressReleasePage.aspx?PRID=1884091.
[119] Demand No. 70, Note on Demand for Grants, Ministry of Minority Affairs, https://www.indiabudget.gov.in/doc/eb/sbe70.pdf
[120] Unstarred Question No. 714, Rajya Sabha, Ministry of Minority Affairs, February 8, 2023, https://sansad.in/getFile/annex/259/AU714.pdf?Sources=pqars
[121] The Transgender Persons (Protection of Rights) Act, 2019, Ministry of Law and Justice, https://prsindia.org/files/bills_acts/bills_parliament/2019/The%20Transgender%20Persons%20(Protection%20of%20Rights)%20Act,%202019.pdf
[122] 'Cabinet Approves setting up of the National Nutrition Mission', Press Information Bureau, December 1, 2017, https://pib.gov.in/newsite/printrelease.aspx?relid=174025#:~:text=Cabinet%20approves%20setting%20up%20of%20National%20Nutrition%20Mission&text=The%20Union%20Cabinet%20chaired%20by,crore%20commencing%20from%202017%2D18.
[123] 'Poshan Tracker', as accessed on December 27, 2023, https://www.poshantracker.in/statistics
[124] 'Poshan Abhiyaan', Press Information Bureau, March 24, 2023, https://pib.gov.in/PressReleasePage.aspx?PRID=1910409
[125] 'Pradhan Mantri Matru Vandana Yojana', Department of Women and Child Development, Government of NCT of Delhi, accessed on January 18, 2023, https://wcd.delhi.gov.in/wcd/pradhan-mantri-matru-vandana-yojana-pmmvy
[126] 'Pradhan Mantri Matru Vandana Yojana: User Manual for PMMVYsoft MIS', Ministry of Women and Child Development, January 18, 2024, https://wcd.nic.in/sites/default/files/PMMVY%20Portal%202.0_User%20Manual%20%281%29_compressed%20%281%29.pdf
[127] 'PMMVY', Ministry of Women and Child Development, accessed on January 18, 2024, https://wcd.dashboard.nic.in/view_detail/eyJpdiI6IjNTU3h1dUo4OG93cnExZEpBRHBqU2c9PSIsInZhbHVlIjoibHZWakdoazVmY3dUbStXOFI2MXhoUT09IiwibWFjIjoiY2I4YmY0OGY1MmZiOTBlMjJjMzQ0MjhmZDUwYjNiZWNlNzE4MjY2MjcwZjVkMzY1NmU2Mzc4N2E0MDVhM2YzNyJ9/2
[128] 'Mission Indradhanush – Operational Guidelines', Ministry of Health and Family Welfare, https://main.mohfw.gov.in/sites/default/files/216846291201489665182.pdf
[129] Unstarred Question No. 2517, Rajya Sabha, Ministry of Health and Family Welfare, December 10, 2019, https://sansad.in/69d28a1d-f3e9-4469-af21-0acd3ac26b84
[130] 'Intensified Mission Indradhanush 5.0 (IMI 5.0) campaign with special focus on improvement of Measles and Rubella vaccination coverage, will conclude all three rounds on 14 October 2023', Press Information Bureau, October 12, 2023, https://pib.gov.in/PressReleaseIframePage.aspx?PRID=196693
[131] National Family Health Survey-5, Ministry of Health and Family Welfare, https://main.mohfw.gov.in/sites/default/files/NFHS-5_Phase-II_0.pdf
[132] Criminal Law Amendment Act, 2018, Ministry of Home Affairs, https://www.mha.gov.in/sites/default/files/2023-02/CSdivTheCriminalLawAct_27022023.pdf
[133] Unstarred Question No. 3329, Lok Sabha, August 5, 2022, https://pqals.nic.in/annex/179/AU3329.pdf.
[134] Beti Bachao Beti Padhao, as accessed on January 22, 2023, https://wcd.nic.in/bbbp-schemes.
[135] National Family Health Survey -3, September, 2007, International Institute of Population Sciences, https://rchiips.org/nfhs/NFHS-3%20Data/VOL_1/India_volume_I_corrected_17oct08.pdf;; National Family Health Survey-5, Ministry of Health and Family Welfare, https://main.mohfw.gov.in/sites/default/files/NFHS-5_Phase-II_0.pdf

[136] Unified District Information System for Education Plus (UDISE) Dashboard, Ministry of Education, accessed on January 23, 2023, https://dashboard.udiseplus.gov.in/#/reportDashboard/sReport
[137] Unstarred Question No. 2805, Rajya Sabha, Ministry of Electronics and Technology, March 24, 2023, https://sansad.in/ee9fb01f-811f-42ed-84fb-190c205843ac.
[138] 'Atmanirbhar Bharat becoming an electronics manufacturing hub', Press Information Bureau, April 28, 2023, https://pib.gov.in/PressReleasePage.aspx?PRID=1920586.
[139] Unstarred Question No. 62, Rajya Sabha, Ministry of Commerce and Industry, December 8, 2023, https://sansad.in/getFile/annex/262/AU692.pdf?Sources=pqars.
[140] Unstarred Question No. 2460, Rajya Sabha, Ministry of Electronics and Information Technology, August 11, 2023, https://sansad.in/getFile/annex/260/AU2640.pdf?Sources=pqars
[141] Unstarred Question No. 2640, Rajya Sabha, Ministry of Electronics and Information Technology, August 11, 2023, https://sansad.in/getFile/annex/260/AU2640.pdf?Sources=pqars.
[142] Unstarred Question No. 3332, Lok Sabha, Ministry of Commerce and Industry, August 9, 2023, https://eparlib.nic.in/bitstream/123456789/2504507/1/AU3222.pdf.
[143] About Startup India, Startup India, Department for Promotion of Industry and Internal Trade, https://www.startupindia.gov.in/content/sih/en/about-startup-india-initiative.html.
[144] Startup India, Department for Promotion of Industry and Internal Trade, last accessed on January 23, 2023, https://www.startupindia.gov.in/.
[145] Government focusing on multilateral and bilateral commercial relations, trade facilitation, industrial development, investments in new and upcoming technology, Press Information Bureau, August 9, 2023, https://pib.gov.in/PressReleasePage.aspx?PRID=1947210#:~:text=Since%20the%20launch%20of%20Startup,over%2010.34%20lakh%20direct%20jobs.
[146] Unstarred Question No 2075, Lok Sabha, Ministry of Commerce and Industry, August 2, 2023, https://eparlib.nic.in/bitstream/123456789/2501642/1/AU2075.pdf
[147] Report No. 182, Ecosystem of Startups to Benefit India, Standing Committee on Commerce, August 10, 2023, https://sansad.in/getFile/rsnew/Committee_site/Committee_File/ReportFile/13/174/182_2024_1_10.pdf?Sources=rajyasabha
[148] Production Linked Incentive (PLI) Schemes in India, Invest India, https://www.investindia.gov.in/production-linked-incentives-schemes-india.
[149] 'Status of Production-Linked Incentive Schemes', Press Information Bureau, April 7, 2021, https://www.pib.gov.in/PressReleasePage.aspx?PRID=1710134.
[150] 'PLI Schemes Contribute to an Increase in production, employment generation and economic growth', Press Information Bureau, June 13, 2023, https://pib.gov.in/PressReleaseIframePage.aspx?PRID=1932051.
[151] 'Production Linked Incentive Schemes witness over Rs 1.03 lakh crore of investments till November 2023', Press Information Bureau, January 17, 2024, https://pib.gov.in/PressReleaseIframePage.aspx?PRID=1996964#:~:text=Production%20Linked%20Incentive%20(PLI)%20Schemes,indirect)%20of%20over%206.78%20lakhs.
[152] 'Production Linked Incentive (PLI) schemes have potential for creating 60 lakh new jobs for period of 5 years starting from 2021-22', Press Bureau of Information, March 23, 2023, https://pib.gov.in/Pressreleaseshare.aspx?PRID=1910034#:~:text=The%20Production%20Linked%20Incentive%20(PLI,economic%20growth%20and%20sustainable%20development.

[153] 'Introduction', Mygov.in, accessed on January 26, 2023, https://transformingindia.mygov.in/scheme/mudra/
[154] 'Pradhan Mantri Mudra Yojana', as accessed on January 13, 2024, https://www.mudra.org.in.
[155] 'More than 40.82 crore loans amounting to ₹23.2 lakh crore sanctioned under Pradhan Mantri MUDRA Yojana (PMMY) since inception', Press Information Bureau, April 8, 2023, https://pib.gov.in/PressReleaseIframePage.aspx?PRID=1914739.
[156] 'PM GatiShakti National Master Plan to provide Multimodal connectivity infrastructure to various economic zones', Press Information Bureau, December 20, 2023, https://pib.gov.in/PressReleaseIframePage.aspx?PRID=1988824
[157] Unstarred Question No, 1475, Rajya Sabha, Ministry of Commerce and Industry, December 15, 2023, https://sansad.in/getFile/annex/262/AU1475.pdf?Sources=pqars
[158] 456th Flash Report, Ministry of Statistics and Programme Implementation, November, 2023, http://ns1.cspm.gov.in/english/flr/FR_nov_2023.pdf
[159] National Logistics Policy, Ministry of Commerce and Industry, September 28, 2022, https://dpiit.gov.in/sites/default/files/NationalLogisticsPolicy_2022_29September2022_0.pdf
[160] 'Report on Logistics Cost in India: Assessment and Long-term Framework', December 2023, National Council of Applied Economic Research, https://www.ncaer.org/wp-content/uploads/2023/12/NCAER_Report_LogisticsCost2023.pdf
[161] 'Logistics Performance Index', World Bank, accessed on January 16, 2023, https://lpi.worldbank.org/international/scorecard/radar/C/IND/2023
[162] 'India Marks One Year of Launch of National Logistics Policy on 17th September, 2023', Press Information Bureau, September 14, 2023, https://pib.gov.in/PressReleaseIframePage.aspx?PRID=1957407#:~:text=The%20targets%20of%20the%20NLP,for%20an%20efficient%20logistics%20ecosystem.
[163] Year-end Review 2022-23 – Ministry of Road and Transport, Press Information Bureau, Jan 5, 2024, https://pib.gov.in/PressReleaseIframePage.aspx?PRID=1993425
[164] Unstarred Question No. 1231, Lok Sabha, Ministry of Road Transport and Highways, February 9, 2023, https://sansad.in/getFile/loksabhaquestions/annex/1711/AU1231.pdf?Sources=pqals
[165] 'Year-end Review – Ministry of Road Transport and Highways', Press Information Bureau, January 5, 2024, https://pib.gov.in/PressReleaseIframePage.aspx?PRID=1993425
[166] "Conversion of State Highways as NH", Press Information bureau, July 2019, https://pib.gov.in/Pressreleaseshare.aspx?PRID=1579801
[167] Starred Question No. 111, Lok Sabha, Ministry of Road Transport and Highways, February 9, 2023, https://sansad.in/getFile/loksabhaquestions/annex/1711/AS111.pdf?Sources=pqals
[168] 'Ministry of Finance Year Ended 2023', Press Information Bureau, December 27, 2023, https://pib.gov.in/PressReleaseIframePage.aspx?PRID=1990745#:~:text=The%20National%20Infrastructure%20Pipeline%20(NIP)%20comprises%20brownfield%20and%20greenfield%20infrastructure,22%20Infrastructure%20Ministries%20of%20Govt.
[169] 'National Infrastructure Pipeline', Ministry of Commerce and Industry, accessed on January 17, 2023, https://indiainvestmentgrid.gov.in/national-infrastructure-pipeline
[170] Unstarred Question No. 483, Lok Sabha, February 6, 2023, https://sansad.in/getFile/loksabhaquestions/annex/1711/AU483.pdf?Sources=pqals
[171] Indian Railways achieve 6,577 Route Kilometres electrification in the calendar year 2023, Press Bureau of Information, https://pib.gov.in/PressReleaseIframePage.aspx?PRID=1994174#:~:text=Total%20Broad%20Gauge%20(BG)%20network,broad%20gauge%20network%20was%20electrified.
[172] Report No. 14, Demand for Grants 2023-24, Standing Committee on Railways, March 13, 2023, https://sansad.in/getFile/lsscommittee/Railways/17_Railways_14.pdf?Sources=loksabhadocs
[173] Railway Year Book 2021-22, https://irim.indianrailways.gov.in/uploads/files/1680252282408-PDF%20Year%20Book%202021-22-English.pdf, 2024

[174] 'UDAN Manual', Ministry of Civil Aviation, November, 2021, https://www.civilaviation.gov.in/sites/default/files/migration/UDAN-Manual.pdf
[175] 'UDAN Manual', Ministry of Civil Aviation, November, 2021, https://www.civilaviation.gov.in/sites/default/files/migration/UDAN-Manual.pdf
[176] Unstarred Question No. 1610, Rajya Sabha, Ministry of Civil Aviation, December 18, 2023, https://sansad.in/getFile/annex/262/AU1610.pdf?Sources=pqars#:~:text=517%20routes%20connecting%2076%20airports,Airline%20Operators%20as%20of%2030.11.
[177] Handbook of Civil Aviation Statistics 2022-23, Directorate General of Civil Aviation, https://public-prd-dgca.s3.ap-south-1.amazonaws.com/InventoryList/dataReports/aviationDataStatistics/handbookCivilAviation/HANDBOOK%202022-23.pdf#view=fitH
[178] National Digital Communications Policy 2018, https://dot.gov.in/sites/default/files/EnglishPolicy-NDCP.pdf
[179] F. No. 4-1/2018-Policy-1, Department of Telecommunications, February 1, 2023, https://egazette.gov.in/WriteReadData/2023/243333.pdf.
[180] Report No. 52, Standing Committee on Communications and Information Technology, December 19, 2023, https://sansad.in/getFile/lsscommittee/Communications%20and%20Information%20Technology/17_Communications_and_Information_Technology_52.pdf?Sources=loksabhadocs
[181] Unstarred Question No 1495, Rajya Sabha, Ministry of Electronics and Information Technology, December 15, 2023, https://sansad.in/69947d0e-0b99-42cf-bc09-a536d06602b3
[182] "Cabinet approves continuation of Pradhan Mantri Awas Yojana-Urban (PMAY-U) - "Housing for All" Mission up to 31st December 2024", August 10, 2022, Press Information Bureau, https://pib.gov.in/PressReleaseIframePage.aspx?PRID=1850679.
[183] "Houses for all under Pradhan Mantri Awas Yojana – Gramin", December 13, 2022, Press Information Bureau, Ministry of Rural Development, https://pib.gov.in/PressReleasePage.aspx?PRID=1883183.
[184] PMAY-U Achievement as of January 15, 2024, https://pmay-urban.gov.in/uploads/progress-pdfs/65a678290ac35-national.pdf.
[185] Report no. 17, "Evaluation of Implementation of Pradhan Mantri Awas Yojana (Urban)", Ministry of Housing and Urban Affairs, Standing Committee on Housing and Urban Affairs, March 20, 2023, https://sansad.in/getFile/lsscommittee/Housing%20and%20Urban%20Affairs/17_Housing_and_Urban_Affairs_17.pdf?Sources=loksabhadocs.
[186] PMAY-G Dashboard, as accessed on January 15, 2024, https://pmayg.nic.in/netiay/PBIDashboard/PMAYGDashboard.aspx.
[187] PMAY-G Guidelines, Ministry of Rural Development, https://pmayg.nic.in/netiayHome/Uploaded/Guidelines-English_Book_Final.pdf.
[188] Report no.29, Demand for Grants, Ministry of Rural Development, Standing Committee on Rural Development and Panchayati Raj, https://sansad.in/getFile/lsscommittee/Rural%20Development%20and%20Panchayati%20Raj/17_Rural_Development_and_Panchayati_Raj_29.pdf?Sources=loksabhadocs.
[189] Development of Rural Roads, Ministry of Rural Development, July 27, 2022, Press Information Bureau, https://pib.gov.in/PressReleasePage.aspx?PRID=1845369.
[190] Basic Road Statistics of India, 2018-19, Ministry of Road, Transport and Highways, https://morth.nic.in/sites/default/files/Basic%20Road%20Statistics%20in%20India-2018-19.pdf.
[191] National Family Health Survey-5, Table 2.2, https://rchiips.org/nfhs/NFHS-5Reports/NFHS-5_INDIA_REPORT.pdf.
[192] "Cabinet approves Swachh Bharat Mission Gramin-Phase II", Cabinet, February 19, 2020, Press Information Bureau, https://pib.gov.in/PressReleasePage.aspx?PRID=1603628.
[193] Swachh Bharat Mission-Grameen Website, as accessed on January 16, 2023, https://swachhbharatmission.gov.in/sbmcms/index.htm.
[194] SMB-G Dashboard, as accessed on January 16,2023, https://sbm.gov.in/sbmgdashboard/statesdashboard.aspx.
[195] "Cabinet approves the continuation of Swachh Bharat Mission (Urban) (SBM U) till 2025-26 for sustainable outcomes", October 12, 2021, press Information Bureau, https://pib.gov.in/PressReleasePage.aspx?PRID=1763354.
[196] Multiple Indicator Survey, NSS 78th Round (2020-21), MultipleIndicatorSurveyinIndiaf.pdf (mospi.gov.in).
[197] SBM-U Dashboard, as accessed on January 25, 2024, https://sbmurban.org/.
[198] SBM(U) Dashboard, as accessed on January 16, 2024, https://sbmurban.org/state
[199] "Ministry of Heavy Industries supports 2,31,257 Electric Vehicles under Phase-II of FAME India Scheme till 1st February, 2022 by way of Demand Incentive amounting to about Rs. 827 Cr", Ministry of Heavy Industries, February 4, 2022, Press Information Bureau, https://pib.gov.in/PressReleasePage.aspx?PRID=1795444.
[200] "Fame India Scheme", Ministry of Heavy Industries, July 25, 2023, Press Information Bureau https://pib.gov.in/PressReleaseIframePage.aspx?PRID=1942506.
[201] Report No. 324, Promotion of Electric vehicles in the Country, Standing Committee on Industry, Rajya Sabha, December 20, 2023, https://sansad.in/getFile/rsnew/Committee_site/Committee_File/ReportFile/17/190/324_2023_12_14.pdf?Sources=rajyasabha.
[202] "Year End Review of Ministry of Heavy Industries", Ministry of Heavy Industries, December 28, 2022, https://pib.gov.in/PressReleaseIframePage.aspx?PRID=1887129.
[203] FAME Dashboard, Ministry of Heavy Industries, as accessed on January 22, 2024, https://fame2.heavyindustries.gov.in/dashboard.aspx.
[204] "English rendering of PM's address at inauguration of driverless train operations on Delhi Metro's Magenta Line", December 28, 2020, Press Information Bureau, https://pib.gov.in/PressReleseDetailm.aspx?PRID=1684088.
[205] Unstarred Question 2314, Lok Sabha, Ministry of Housing and Urban Affairs, August 3, 2023, https://eparlib.nic.in/bitstream/123456789/2501355/1/AU2314.pdf.
[206] "AMRUT Scheme", Ministry of Housing and Urban Affairs, December 22, 2022, Press Information Bureau, https://pib.gov.in/PressReleasePage.aspx?PRID=1885837.
[207] National Inventory of Sewage Treatment Plants, March, 2021, Central Pollution Control Board, https://cpcb.nic.in/openpdffile.php?id=UmVwb3J0RmlsZXMvMTIyOF8xNjE1MTk2MzIyX21lZGlhcGhvdG85NTY0LnBkZg==.
[208] Jal Jeevan Mission Website, as accessed on January 26, 2024, https://jaljeevanmission.gov.in/.
[209] JJM Dashboard, as accessed on January 25, 2023, https://ejalshakti.gov.in/jjmreport/JJMIndia.aspx.
[210] National Report of Functionality Assessment 2022, Jal Jeevan Mission, https://jaljeevanmission.gov.in/sites/default/files/2022-10/national_report_of_functionality_assessment_2022.pdf.
[211] "India achieves target of 40% installed capacity from non-fossil fuel sources", Ministry of New and Renewable Energy, December 2, 2021, Press Information Bureau (pib.gov.in)
[212] "India's Stand at COP26", Ministry of Environment, Forest and Climate Change, February 3, 2023, Press Information Bureau, https://pib.gov.in/PressReleasePage.aspx?PRID=1795071.
[213] Installed Capacity Report, December 2023, Central Electricity Authority, https://cea.nic.in/wp-content/uploads/installed/2023/12/IC_31_Dec_2023.pdf.
[214] "A target of installing 175 GW of renewable energy capacity by the year 2022 has been set", Ministry of New and Renewable Energy, July 19, 2018, https://pib.gov.in/Pressreleaseshare.aspx?PRID=1539238.
[215] Annual Report 2022-23, Central Electricity Authority, 2022-23,https://cea.nic.in/wp-content/uploads/annual_reports/2023/Approved_CEA_Annual_Report_2022_23.pdf.
[216] Unstarred Question no. 1266, Lok Sabha, Ministry of New and Renewable Energy, July 27, 2023, https://eparlib.nic.in/bitstream/123456789/2502630/1/AU1266.pdf.
[217] PM KUSUM Website, Ministry of New and Renewable Energy, as accessed on January 25, 2024, https://pmkusum.mnre.gov.in/landing-about.html.
[218] Unstarred Question no. 3003, Lok Sabha, Ministry of New and renewable Energy, December 12, 2023, https://sansad.in/getFile/loksabhaquestions/annex/1714/AU3003.pdf?Sources=pqals.

[219] Unstarred Question no. 3869, Lok Sabha, Ministry of Power, March 23, 2023, https://sansad.in/getFile/loksabhaquestions/annex/1711/AU3869.pdf?Sources=pqals.
[220] Unstarred Question no. 3642, Lok Sabha, Ministry of Power, August 10, 2023, https://eparlib.nic.in/bitstream/123456789/2502858/1/AU3642.pdf.
[221] PMUY Website, as accessed on January 18, 2024, https://www.pmuy.gov.in/about.html.
[222] "Features of PMUY", Ministry of Petroleum and Natural Gas, August 10, 2023, https://pib.gov.in/PressReleseDetailm.aspx?PRID=1947509.
[223] "Delivery of LPG Cylinders to Urban Slum Dwellers", Ministry of Petroleum and Natural Gas, December 18, 2023, Press Information Bureau, https://pib.gov.in/PressReleaseIframePage.aspx?PRID=1987811#:~:text=Government%20has%20approved%20release%20of,for%205%20Kg%20Single%20Bottle.
[224] Multiple Indicator Survey in India, NSS Round 78th, 2020-21, https://www.mospi.gov.in/sites/default/files/publication_reports/MultipleIndicatorSurveyinIndiaf.pdf.
[225] "Road Map for mixing Ethanol in Petrol and Diesel", Ministry of Petroleum and natural Gas, December 4, 2023, Press Information Bureau, https://pib.gov.in/PressReleasePage.aspx?PRID=1982356#:~:text=This%20capacity%20is%20sufficient%20to,%25%20during%20ESY%202022%2D23.
[226] "Prime Minister Launches E20 Fuel and flags off Green Mobility Rally in Bangalore today", Press Information Bureau, February 6, 2023, https://pib.gov.in/PressReleaseIframePage.aspx?PRID=1896729.
[227] Centre extends timeline for disbursement of loan/completion of ethanol projects up to 30 Sep 2023, Ministry of Consumer Affairs, Food and Public Distribution, June 26, 2023, Press Information Bureau, https://pib.gov.in/PressReleasePage.aspx?PRID=1935491#:~:text=Hence%2C%20the%20national%20ethanol%20production,has%20increased%20by%208%20times.
[228] Roadmap for Ethanol Blending in India 2020-2025, https://www.niti.gov.in/sites/default/files/2021-06/EthanolBlendingInIndia_compressed.pdf.
[229] "National Clean Air Programme (NCAP) to improve air quality in 131 cities by engaging all stakeholders", Ministry of Environment, Forest and Climate Change, March 23, 2023, https://pib.gov.in/PressReleaseIframePage.aspx?PRID=1909910.
[230] Unstarred Question no. 1980, Lok Sabha, Ministry of Environment, Forest and Climate Change, March 13, 2023, https://eparlib.nic.in/bitstream/123456789/1931921/1/AU1980.pdf.
[231] Unstarred Question 500, Lok Sabha, Ministry of Environment, Forest and Climate Change, February 6, 2023, https://eparlib.nic.in/bitstream/123456789/1469203/1/AU500.pdf.
[232] "Namami Gange Mission II approved with budgetary outlay of Rs 22,500 till 2026", February 13, 2023, Press Information Bureau, https://pib.gov.in/PressReleasePage.aspx?PRID=1898802.
[233] Unstarred Question 1200, Lok Sabha, Ministry of Jal Shakti, July 27, 2023, https://eparlib.nic.in/bitstream/123456789/2502704/1/AU1200.pdf
[234] Annual Report 2020-21, Central pollution Control Board, https://cpcb.nic.in/openpdffile.php?id=UmVwb3J0RmlsZXMvMTQwM18xNjU1MzU0NzkxX21lZGlhcGhvdG8xNjQ3MS5wZGY.
[235] "Status of adoption of Green Hydrogen in the country", December 23, 2023, Press Information Bureau, https://pib.gov.in/PressReleasePage.aspx?PRID=1989809#:~:text=The%20Union%20Minister%20for%20New,outlay%20of%20%E2%82%B9%2019%2C744%20crore.
[236] "Cabinet approves National Green Hydrogen Mission", January 4, 2023, Press Information Bureau, https://pib.gov.in/PressReleasePage.aspx?PRID=1888547.